www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play
store Bharat
Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 40.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 98.700g
चांदी 106.000 kg

2 उन्माद में न बदले सितारों के प्रति लगाव, हमें अपने राष्ट्रीय आदर्शों का विवेकसम्मत चयन करना होगा
कनाडा मंदिर अध्यक्ष प्रॉपर्टी फायरिंग केस 06

वर्ष :17 | अंक :73 | प्रयागराज ,शनिवार ,14 जून ,2025 | पृष्ठ :06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

राजस्थान में 2-3 दिनों तक भीषण गर्मी और गर्म रातें जारी रहेंगी: आईएमडी

पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी की चपेट में है। इसी बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को राजस्थान के लिए पूर्वानुमान जारी किया है। इस अनुमान के मुताबिक आगामी दो से तीन दिनों तक खास तौर से पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में गर्म हवाएं चल सकती है। इस दौरान भीषण गर्मी और गर्म रातें जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान के श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। एएनआई से बात करते हुए, मौसम विज्ञान केंद्र, जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने कहा, पिछले 24 घंटों में, राज्य के कई हिस्सों में तापमान 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ गया है। अगले 2-3 दिनों तक लू, भीषण लू और गर्म रात की स्थिति जारी रहने की संभावना है, खासकर पश्चिमी और उत्तरी राजस्थान के कुछ हिस्सों में। श्री गंगानगर (राजस्थान) में सबसे अधिक तापमान 47.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने कहा, अगले 24 से 48 घंटों के बाद राज्य के कुछ हिस्सों में प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। पिछले 2 दिनों में मानसून की गतिविधियां पहले से ही बढ़ गई हैं।

मणिपुर की एयर होस्टेस लामनुनथेम सिंगसन अपने परिवार की कमाने वाली एकमात्र सदस्य थी

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए मणिपुर के दो चालक दल के सदस्यों में से एक लामनुनथेम सिंगसन (26) अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थीं। उनके परिवार को पूर्वोत्तर राज्य में जातीय हिंसा का दंश झेलना पड़ा था। सिंगसन के एक रिश्तेदार ने शुक्रवार को बताया कि उसने आखिरी बार अपनी विधवा मां से 11 जून को फोन पर बात की थी। उन्होंने बताया कि सिंगसन ने अपनी मां से कहा था कि उसे बृहस्पतिवार को लंदन के लिए उड़ान भरनी है और इसीलिए रात को जल्दी सोना चाहती है। रिश्ते में सिंगसन के भाई लुन किपगेन ने कहा कि चार भाई-बहनों में तीसरी संतान, सिंगसन परिवार की एकमात्र बेटी थी और उनकी विधवा मां ने उन सभी को पालने के लिए बहुत संघर्ष किया था। किपगेन ने बताया, 26 वर्षीय सिंगसन परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थी। उसका सबसे बड़ा भाई बेरोजगार है और एक गंभीर बीमारी से पीड़ित है, जबकि दो अन्य भाई पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अस्वस्थ होने के बावजूद उनके सबसे बड़े भाई अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुके हैं, जबकि एक अन्य भाई और एक अन्य रिश्तेदार कांगपोकपी से नगालैंड के दीमापुर गए हैं तथा वे वहां से अहमदाबाद जाएंगे।

प्लेन क्रैश में बचे इकलौते यात्री से मिले पीएम मोदी, घायलों का हालचाल जाना

पैसेंजर रमेश बोला- दरवाजा टूटा और मैं सीट समेत नीचे गिर गया

एयरइंडिया विमान दुर्घटना

▶▶ब्रिटिश नागरिक 38 वर्षीय रमेश गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में सीट 11ए पर बैठे थे - जो आपातकालीन निकास द्वार के ठीक पीछे स्थित है - जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए थे।

> रमेश ने डॉक्टरों से कहा कि वे विमान से कूदे नहीं थे, बल्कि विमान के टूटने के समय वे अपनी सीट से बंधे हुए ही बाहर फेंके गए थे। उन्हें चोटें आई और उन्हें ट्रॉमा वार्ड में निगरानी में रखा गया है। अब वायरल हो रहे एक वीडियो में घायल और खून से लथपथ रमेश को एम्बुलेंस की ओर लंगड़ाते हुए जाते हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास खड़े लोग उनसे विमान में सवार बाकी लोगों के बारे में सवाल पूछ रहे हैं।

एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद सिविल अस्पताल में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति से मुलाकात की। रमेश विश्वासकुमार बुचरवाड़ा, जो दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया विमान एआई 171 में सवार 242 लोगों में से एक थे, चमत्कारिक रूप से दुर्घटना में बच गए। ब्रिटिश नागरिक 38 वर्षीय रमेश गुरुवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में सीट 11ए पर बैठे थे - जो आपातकालीन निकास द्वार के ठीक पीछे स्थित है - जिसमें 200 से अधिक लोग मारे गए थे। दुर्घटना के कुछ क्षण बाद लिए गए एक वीडियो में घायल रमेश को एम्बुलेंस की ओर जाते हुए दिखाया गया है, जबकि आसपास खड़े लोग उसे घेरकर विमान में सवार अन्य लोगों के बारे में पूछ रहे हैं। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान एआई171 दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति, जिसमें 265 लोग मारे गए थे

मोदी ने विमान दुर्घटनास्थल का लिया जायजा

अहमदाबाद :प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अहमदाबाद के मेघानीनगर में हुए विमान दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और वहां को जायजा लेने के बाद उन्होंने अस्पताल पहुंचकर घायलों से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। विमान हादसे से पूरा देश शोक में हैं। प्रधानमंत्री ने दुर्घटना में एकमात्र जीवित बचे व्यक्ति रमेश विश्वास से भी मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली और अन्य घायलों से भी उनका हालचाल जाना। श्री मोदी विमान दुर्घटना के बाद पल-पल पर अपनी नजर बनाये हुए हैं। प्रधानमंत्री के साथ केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू, गुजरात के मुख?यमंत्री भूपेंद्र पटेल और कई शीर्ष अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद रहे और घटनास्थल का बारीकी से जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज अहमदाबाद में दुर्घटनास्थल का दौरा किया। तबाही का मंजर दुखद है।

हर उड़ान से पहले बोइंग 787 की जांच जरूरी : डीजीसीए

फ्यूल सिस्टम, इंजन कंट्रोल और टेक ऑफ का रिव्यू होगा; अहमदाबाद हादसे के बाद फैसला

हर उड़ान से पहले ये जांच जरूरी

- फ्यूल सिस्टम की जांच यानी ईंधन से जुड़े पैरामीटर सही हैं या नहीं।
- कैबिन में हवा पहुंचाने वाले सिस्टम की जांच।
- इंजन कंट्रोल सिस्टम की जांच।
- इंजन में ईंधन डालने और ऑयल सिस्टम की जांच।
- हाइड्रोलिक सिस्टम की जांच, जो प्लेन के पहिए, ब्रेक कंट्रोल करता है
- टेक-ऑफ के आंकड़ों जैसे रफ्तार, वजन की दोबारा समीक्षा।
- एक नया फ्लाइट कंट्रोल चेक होगा, जो हर स्टॉप पर किया जाएगा।
- पावर टेस्ट (इंजन ताकत की जांच) अगले 2 हफ्ते में करना अनिवार्य है।

एजेंसी

नई दिल्ली , डीजीसीए ने शुक्रवार को एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर बेड़े के सुरक्षा जांच के आदेश दिए हैं। यह आदेश 12 जून को अहमदाबाद प्लेन हादसे में 241 लोगों की मौत के एक दिन बाद जारी किया गया है। इसमें कहा गया है कि बोइंग के 787-8 और 787-9 हवाई जहाजों की हर उड़ान से पहले जांच होगी। सभी रिपोर्ट्स सौंपी जाएंगी। डीजीसीए ने एयर इंडिया को जेनएक्स इंजन वाले बोइंग 787-8 और 787-9 विमानों के अतिरिक्त रखरखाव का निर्देश दिया है। यह आदेश 15 जून से लागू हो जाएगा। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया के बेड़े में 26 बोइंग 787-8 और 7 बोइंग 787-9 हैं। बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर क्या है? बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर एक आधुनिक, मिड-साइज, ट्विन-इंजन, वाइड-बॉडी जेट विमान है, जिसे बोइंग ने बनाया है। ये लंबी दूरी की उड़ानों के लिए डिजाइन किया गया है और पुराने बोइंग 767 को रिप्लेस करने के लिए लाया गया।

ईंधन जलने से तापमान बहुत अधिक होने के कारण किसी को बचाने की गुंजाइश ही नहीं थी: शाह

> एअर इंडिया का लंदन जा रहा विमान बृहस्पतिवार दोपहर अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद यहां एक मेडिकल कॉलेज परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एजेंसी

अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एअर इंडिया के विमान का तापमान ईंधन जलने के कारण इतना अधिक था कि किसी को बचा पाने की कोई गुंजाइश ही नहीं थी। शाह ने संवाददाताओं से कहा, विमान के अंदर 1.25 लाख लीटर ईंधन था। विमान गर्म हो गया था, इसलिए किसी को भी बचाने की गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी के बाद पूरा देश गहरे सदमे में है। शाह ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की उन्होंने कहा, अधिकारी मृतकों की संख्या डीएनए की जांच और पीड़ितों की पहचान के बाद आधिकारिक तौर पर जारी करेंगे। शाह ने कहा, अच्छी खबर यह है कि दुर्घटना में एक व्यक्ति बच गया है और मैं उससे मिलने के बाद यहां आया हूं। उन्होंने कहा, विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के शवों से डीएनए नमूने एकत्र करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है।

विमान हादसे के बड़े राज से उठेगा पर्दा

एअर इंडिया के दुर्घटनाग्रस्त प्लेन का डीवीआर बरामद

> रिपोर्ट बताती है कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के परिणामस्वरूप कुल 297 लोगों की जान चली गई है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है, साथ ही आवासीय क्षेत्र में दुर्घटना से जुड़ी 56 अतिरिक्त मौतें भी हुई हैं।

एजेंसी

दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान के मलबे से डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया गया है। इस बरामदगी से जांच एजेंसियों को दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अहमदाबाद हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद लंदन जाने वाले एयर इंडिया के बोइंग ड्रीमलाइनर का मलबा जिला अस्पताल के पास मिला है। जांच में शामिल एटीएस टीम के एक अधिकारी ने विमान में डीवीआर की खोज की, जिससे घटना की जांच में तेजी आ सकती है। रिपोर्ट बताती है कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना के परिणामस्वरूप कुल 297 लोगों की जान चली गई है। विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत की पुष्टि हो चुकी है, साथ ही आवासीय क्षेत्र में दुर्घटना से जुड़ी 56 अतिरिक्त मौतें भी हुई हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने एयर इंडिया विमान दुर्घटना के पीड़ितों के लिए दावा निपटान प्रक्रिया में ढील दी है और इस प्रक्रिया में तेजी भी लाई है। निगम ने कहा कि वह विमान दुर्घटना से प्रभावित लोगों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है और पीड़ितों के लिए दावा निपटान में तेजी लाएगा। बीमा कंपनी ने एक बयान में कहा, एलआईसी ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है।

दुर्घटना के बाद भी लोग लापता

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि दुर्घटना के बाद भी लोग लापता हैं। ए.आई.-171 विमान दुर्घटना के बारे में बीजे मेडिकल कॉलेज के एक कर्मचारी ने एएनआई को बताया, हम अपनी जान बचाने के लिए नीचे की ओर भागे। हमें कुछपता नहीं चला। उस समय हम रोटियाँ बना रहे थे... 3 से 4 बच्चे मर गए, और 3 से 4 को आई.सी.यू. में भर्ती कराया गया। कल से एक महिला और 2 साल का बच्चा लापता है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश, बोइंग-787 की यात्री का दावा

खड़खड़ाहट की आवाज आ रही थी; हादसे के डेढ़ घंटे पहले उसी फ्लाइट में लंदन से आई थी

अहमदाबाद/मुंबई, अहमदाबाद में गुरुवार को क्रैश हुए एअर इंडिया के बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर प्लेन को लेकर एक महिला यात्री ने दावा किया है उसमें पहले से खराबी थी। क्रैश होने से डेढ़ घंटे पहले महिला उसी प्लेन से लंदन से अहमदाबाद आई थी। महिला का नाम हिनाबेन कालरिया है। वह सूरत की रहने वाली है। हिनाबेन ने बताया कि लंदन से टेकऑफ के दौरान प्लेन के अउ और सभी डिस्प्ले बंद थे। एयर होस्टेस ने इसे तकनीकी गड़बड़ी बताया था। हिनाबेनके मुताबिक, लैंडिंग के वक्त प्लेन से खड़खड़ाहट की आवाज भी आ रही थी, जिससे यात्री डर गए थे। हिनाबेन 11 जून की रात 10 बजे लंदन से बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर अक-172 से रवाना हुई थीं। यह प्लेन 12 जून की सुबह करीब 12 बजे अहमदाबाद पहुंचा था। फिर दोपहर 1:38 बजे यही प्लेन अक-171 के तौर पर अहमदाबाद से लंदन जाते सिविल हॉस्पिटल की बिल्डिंग से टकराकर समय क्रैश हो गया, जिसमें 265 लोगों की मौत हो गई। यात्री बोली- पुरानी बस की तरह फ्लाइट से आवाज आ रही थी हिनाबेन ने बताया कि प्लेन के अंदर रखे सभी डिस्प्ले बंद थे। जब हमने यह बात एयर होस्टेस को बताई तो उसने हमसे मोबाइल अपडेट करने को कहा और बताया कि तकनीकी खराबी के कारण डिस्प्ले बंद हो गया है। फिर जब प्लेन अहमदाबाद में लैंड करने वाला था, तो एक खड़खड़ाहट की आवाज आई। आमतौर पर ऐसी आवाज एक पुरानी बस की तरह आवाज आती है।

आबकारी घोटाले में कांग्रेस कार्यालय हुआ कुर्क

कांग्रेस ने बताया राजनीतिक षड्यंत्र

> कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुकमा जिले में पार्टी कार्यालय कुर्क किए जाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की और इस कदम को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक षडयंत्र का हिस्सा बताया।

एजेंसी

छत्तीसगढ़ की राजनीति में एक बार फिर से हलचल मच गयी है। काफी दिनों से चल रही छापेमारी के चलते कांग्रेस का सुकमा जिले में बना कार्यालय कुर्क कर दिया गया है। कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई ने शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा सुकमा जिले में पार्टी कार्यालय कुर्क किए जाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की और इस कदम को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राजनीतिक षडयंत्र का हिस्सा बताया। ईडी ने प्रदेश में पिछली भूपेश बघेल सरकार के दौरान हुए 2100 करोड़ रुपये से अधिक के कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत सुकमा स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय और विधायक व पूर्व मंत्री कवासी लखमा की कुल 6.15 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। कांग्रेस की छत्तीसगढ़ इकाई की संचार शाखा के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने ईडी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा के निर्देश पर ईडी ने पार्टी के सुकमा जिला कार्यालय को कुर्क किया है। शुक्ला ने कहा, भाजपा के इशारे पर केंद्रीय एजेंसियां अपनी सीमाओं को लांघ रही है। कांग्रेस के सुकमा जिला कांग्रेस भवन को ईडी द्वारा कुर्क किया जाना बेहद आपत्तिजनक है। ईडी की यह कार्रवाई भाजपा के राजनीतिक षडयंत्र का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि वह जिला कार्यालय बनाने के लिये वित्तपोषण के एक-एक पैसे का हिसाब दे देंगे।

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: कठिन समय से निपटने के लिए सभी समुदाय ने हाथ मिलाया, लोगों की कर रहे मदद

> एयर इंडिया प्लेन हादसे के बाद मृतकों के परिजनों की सहायता के लिए सभी समुदाय के लोग सामने आए हैं.

एजेंसी

अहमदाबाद : एयर इंडिया विमान के गुरुवार को हुए हादसे में दो पायलट और चालक दल के 10 सदस्य सहित 242 लोग सवार थे. इस हादसे में कम से कम 265 लोग मारे गए. मृतकों में शामिल 241 लोग विमान में सवार थे जबकि अन्य लोग दुर्घटनाग्रस्त विमान की चपेट में आ गए. हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों की सहायता के लिए धार्मिक पहचान से इतर गोविंद और इनामुल गुरुवार शाम से ही सिविल अस्पताल के बाहर नजर आ रहे हैं. सभी धर्मों के लोग मानवता दिखाते हुए विमान हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले असहाय और व्यथित रिश्तेदारों की सहायता के लिए एक साथ आए हैं. वहीं आरएसएस के स्वयंसेवकों का एक बड़ा समूह भोजन और अन्य सामान के साथ अस्पताल के बाहर डेरा डाले हुए है. टेबल के पास बांटने के लिए पकी हुई 'खिचड़ी' रखी हुई है. साथ ही पास के दरियापुर और जुहापुरा से कई युवा पानी की बोतलों के साथ तैयार खड़े हैं.

हड़कंप

इलाके में मचा हड़कंप

पंजाब के पठानकोट में एयरफोर्स के अपाचे हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

> पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को कथित तौर पर तकनीकी दिक्कतों का सामना करने के बाद एहतियातन खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी।

पंजाब। पंजाब के पठानकोट जिले के नांगलपुर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत हलेड़ गांव में गुरुवार सुबह भारतीय वायुसेना के अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर ने आपातकालीन लैंडिंग की। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, किसी के घायल होने या किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। पठानकोट वायुसेना स्टेशन से उड़ान भरने वाले हेलीकॉप्टर को कथित तौर पर तकनीकी दिक्कतों का सामना करने के बाद एहतियातन खुले मैदान में उतरना पड़ा। हेलीकॉप्टर को उतरते देख ग्रामीण मौके पर जमा हो गए, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर दी। 6 फरवरी: मध्य प्रदेश के शिवपुरी के पास मिराज 2000 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। प्रशिक्षण उड़ान के दौरान विमान में सिस्टम में खराबी आने के बाद पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकल गए। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए। नवंबर 2023: उत्तर प्रदेश के आगरा के पास एक अन्य प्रशिक्षण अभ्यास के दौरान मिग-29 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आने के बाद पायलट सुरक्षित रूप से बाहर निकल गया। अपाचे एएच 64ए भारतीय वायुसेना के बेड़े में सबसे परिष्कृत और घातक हेलीकॉप्टरों में से एक है, जो उन्नत लक्ष्यीकरण, नेविगेशन और हथियार प्रणालियों से लैस है। ये हेलीकॉप्टर रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरह के अभियानों में महत्वपूर्ण हैं, जिसमें उच्च ऊंचाई वाले युद्ध भी शामिल हैं। हालांकि बार-बार आपातकालीन लैंडिंग ने भारतीय वायुसेना के विमानों की यांत्रिक विश्वसनीयता के बारे में चिंताएं पैदा की हैं, रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि ऐसी लैंडिंग मानक सुरक्षा प्रोटोकॉल का हिस्सा हैं और अक्सर बड़ी आपदाओं को रोकने के लिए की जाती हैं। इससे पहले 27 मई को सुबह भारतीय सेना के दो हेलीकॉप्टरों की इमरजेंसी लैंडिंग की गई थी। उस समय यह लैंडिंग गांव ढोटिया के खेल स्टेडियम में हुई। इस बीच करीब 20 मिनट तक दोनों हेलीकॉप्टर वहां रुके। इसके बाद वह वापस लौट गए। सेना की हेलीकॉप्टर देखने के लिए ग्रामीण एकत्रित भी हुए। दोनों हेलीकॉप्टर करीब डेढ़ मिनट के अंतराल पर दोनों हेलीकॉप्टर अलग अलग दिशाओं से आए और खेल स्टेडियम में उतरे थे। गांव के लोग सेना के हेलीकॉप्टरों को आते देख हैरान रह गए। सरपंच दिलबाग सिंह, ब्लॉक समिति के पूर्व चेयरमैन रणजीत सिंह राणा, कोच सरूप सिंह ढोटियां, समाजसेवी रविंदर सिंह गिल ने बताया कि गांव में अचानक भारतीय सेना के दो हेलीकॉप्टर उतरते देख लोग उमड़ पड़े।

वन संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को आजीविका से जोड़ने का प्रयास करें अधिकारी : धामी

> बैठक में जानकारी दी गई कि विगत तीन वर्षों में 75 हजार से अधिक बंदरों का बंध्याकरण किया जा चुका है जबकि इस वर्ष 27 वन प्रभागों में 40 हजार बंदरों के बंध्याकरण का लक्ष्य रखा गया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बृहस्पतिवार को अधिकारियों को वनों के संरक्षण के साथ ही वन संपदाओं को लोगों की आजीविका से जोड़ने की दिशा में विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। यहां वन्यजीव बोर्ड की 21वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड वनों की बहुलता वाला प्रदेश है इसलिए वन संपदाओं को आर्थिकी से जोड़ने के प्रयास किये जाने चाहिए। उन्होंने इसके लिए वन विभाग और वित्त विभाग को बैठक करने के निर्देश दिए। धामी ने अधिकारियों को इकोलॉजी और इकोनॉमी में संतुलन बनाते हुए आगामी 10 वर्षों के लिए विस्तृत योजना बनाते हुए वन क्षेत्रों के आस-पास ईको-टूरिज्म की गतिविधियों को बढ़ावा देने को भी कहा। उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करने के साथ ही ऐसी घटनाओं में त्वरित मुआवजा वितरण के लिए डिजिटल ट्रैकिंग प्रणाली लागू करने के भी अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हल्द्वानी में चिड़ियाघर और हरिद्वार में सफारी के निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि वन विश्राम भवनों का रख-रखाव भी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए किया जाए तथा राजस्व बढ़ाने के प्रयास किये जाएं। उन्होंने ऋषिकेश में निकट चौरासी कुटिया के जीर्णोद्धार से संबंधित कार्यों में भी तेजी लाने के निर्देश दिये।

भारत संवाद

अभिव्यक्ति

02

प्रयागराज , शनिवार , 14 जून, 2025

सम्पादकीय

दिल दहलाने वाली त्रासदी, विमान हादसों से लेना होगा सबक

सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि इन प्रश्नों का समय पर सही उत्तर मिले क्योंकि अहमदाबाद की दुर्घटना ऐसे समय हवाई यात्रा के प्रति लोगों के भरोसे को डिगा सकती है जब हवाई यात्री लगातार बढ़ रहे हैं। अब देश में विमान सेवाओं का संचालन मुख्यतः निजी कंपनियां कर रही हैं। क्या वे सुविधाओं के साथ हवाई यात्रा की सुरक्षा के प्रति सजग हैं?अहमदाबाद में एअर इंडिया के लंदन जा रहे विमान का एक आवासीय क्षेत्र में गिरना और लगभग सभी यात्रियों समेत चालक दल के सदस्यों की मौत हो जाना एक बहुत ही भयावह, दिल दहलाने और हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करने वाली दुर्घटना है ।इसे दुर्भाग्य की पराकाष्ठा ही कहेंगे कि यह अभागा विमान उड़ान भरते ही मेडिकल कालेज के जिस हास्टल पर गिरा, वहां भी छात्रों समेत कई लोग मारे गए। यह विमान जिस तरह आवासीय क्षेत्र में जा गिरा, उससे यही लगता है कि पायलट को इतना भी अवसर नहीं मिला कि वह उसे रिहायशी इलाके से दूर ले जा पाता ।विश्व में विमान दुर्घटनाओं में कमी आई है। अब वे यदा-कदा होती हैं, पर ऐसा भयावह हादसा दुर्लभ है। भारत में हाल में वायुसेना के कुछ विमान एवं निजी कंपनियों के हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं और उनमें जनहानि भी हुई है, पर किसी यात्री विमान हादसे में इतनी अधिक संख्या में लोगों ने अर्से बाद जान गंवाई है। 2010 में मेंगलुरु में विमान दुर्घटना में डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे गए थेइसके पहले 1996 में हरियाणा के चरखी दादरी में सऊदी अरब जा रहे और दिल्ली आ रहे विदेशी एयरलाइन के दो विमान हवा में आमने-सामने टकरा गए थे।इसमें करीब 350 लोग मारे गए थे। यह विश्व की सबसे बड़ी विमान दुर्घटनाओं में से एक थी और अजीब भी। इस दुर्घटना में एक पायलट समेत दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल को कठघरे में खड़ा किया गया था ।अहमदाबाद में विमान दुर्घटना किस वजह से हुई और उसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसका पता जांच से चलेगा, लेकिन एअर इंडिया के साथ नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को गंभीरता से हादसे के कारणों का पता लगाना और उनका निवारण करना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर प्रश्न उठते ही रहते हैं ।सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि इन प्रश्नों का समय पर सही उत्तर मिले, क्योंकि अहमदाबाद की दुर्घटना ऐसे समय हवाई यात्रा के प्रति लोगों के भरोसे को डिगा सकती है, जब हवाई यात्री लगातार बढ़ रहे हैं। अब देश में विमान सेवाओं का संचालन मुख्यतः निजी कंपनियां कर रही हैं। क्या वे सुविधाओं के साथ हवाई यात्रा की सुरक्षा के प्रति सजग हैं ?एक बार को सुविधाओं में कमी की अनदेखी की जा सकती है, पर हवाई यात्रा की सुरक्षा से तो कोई समझौता हो ही नहीं सकता।

आज का विचार

देर से बनो
लेकिन कुछ जरूर बनो
लोग वक्त के साथ **खैरियत** नहीं पूछते है
सिर्फ **औकात** पूछते हैं

भारत संवाद

मेष राशि : आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए- नए विचार आ सकते हैं. आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा. किसी काम में मित्रों की सलाह फायदेमंद साबित हो सकती है. परिवार में खुशहाली का वातावरण रहेगा.

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक आज बेहद व्यस्त रहने वाले हैं, काम की वजह से घर से दूर जाना पर सकता है. क्रोध और आवेश में आकर संबंधों को खराब न करें धैर्य से काम लें. आर्थिक स्थिति में अचानक से शुभ बदलाव होने की संभावना है.

मिथुन राशि: पेचीदा हालात में फँसने पर घबराएँ नहीं. जैसे खाने में थोड़ा-सा तीखापन उसे और भी लजीज बना देता है, उसी तरह ऐसी परिस्थितियाँ आपको खुशियों की सही कीमत बताती हैं. अपना मूड बदलने के लिए किसी सामाजिक आयोजन में शिरकत करें.

कर्क राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा. पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग प्राप्त हो सकता है. मित्र से निजी समस्याओं को शेयर करने से आपको बचना चाहिए. कुछ लोगों के गलत बयान से आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है.

सिंह राशि : आपके दाम्पत्य जीवन में मधुरता आएगी. आज आपका नसीब आपके साथ बना रहने वाला है. व्यापार को बढ़ाने की लगातार चुनौती रहेगी जिससे आप थोड़े परेशान से रहेंगे. आपके पराक्रम में तो वृद्धि रहेगी. समय का सही प्रबंधन करेंगे, घर की सजावट करने में बिजी रहेंगे.

कन्या राशि : जिन्दगी की बेहतरीन चीजों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल-दिमाग के दरवाजे खोलें चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला कदम है. आकस्मिक मुनाफे या सट्टेबाजी के जरिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे.

तुला राशि: आज आपका दिन परिवार वालों के साथ बीत सकता है. आप साथियों के साथ बाहर घूमने का प्लान बना सकते हैं. गुस्से में किसी से बात करने से आपको बचना चाहिए. आपके व्यवहार से लोग प्रभावित भी हो सकते हैं.

वृश्चिक राशि: आज परिवार से भरपूर सहयोग मिलेगा परन्तु वैचारिक मतभेद हो सकता है. आपको अपने माता-पिता का पूरा साथ और आशीर्वाद प्राप्त होगा. संपत्ति में निवेश करने से आपको लाभ होगा. सफलता आपके दरवाजे पर दस्तक दे रही है.

धनु राशि: धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है. दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा. अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें. अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें.

मकर राशि: आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा. ऑफिस में एक्सट्रा वर्क करने से रूका हुआ काम जल्दी पूरा हो सकता है। इस राशि के बिजनेसमैन का दिन आज काफी व्यस्त रहेगा. किसी तरह के विवादों में पड़ने से आपको बचना चाहिए.

कुंभ राशि: यदि आप एक नौकरी कर रहे हैं तो आज आपको अपनी नौकरी में पदोन्नति की संभावना है. नौकरी-धंधे की चिंता भी खत्म हो सकती है. उलझे मामलों में सफलता मिल सकती है.

मीन राशि: आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा. आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. ऑफिस में आपके काम को लेकर बॉस आपकी तारीफ कर सकते हैं. किसी दोस्त की पार्टी का इनविटेशन आ सकता है. वहां जाकर आप इंज्वाय भी करेंगे.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

उन्माद में न बदले सितारों के प्रति लगाव, हमें अपने राष्ट्रीय आदर्शों का विवेकसम्मत चयन करना होगा

> एक ओर हम राज्य की निरंतर उपेक्षा से ग्रस्त हैं वहीं अक्सर स्वयं भी समस्याओं को बढ़ावा देने या आसानी से टाली जा सकने वाली त्रासदियों को आमंत्रण देते रहते हैं। राज्य की लापरवाही हमें कुपित करती है तो खुद अपनी उदासीनता का भाव हमें कुंठा से भर देता है। राज्य जो करेगा जब करेगा लेकिन क्या हम अपने ही रवैये के भुक्तभोगी बने रहें?

पा त्रासदियां सदैव हृदयविदारक एवं मन को व्यथित करने वाली होती हैं। कुछ ऐसी होती हैं, जो आक्रोशित भी करती हैं। सबसे बदतर वे त्रासदियां होती हैं, जो इन सबके साथ निराश और कुंठित करती हैं। बेंगलुरु में हुई भगदड़ में इन सभी पहलुओं का समावेश था। हम सभी इस पर सहमत होंगे कि भीड़ प्रबंधन का हमारा रिकार्ड बेहद भयावह है। चाहे वह धार्मिक समागम हों या राजनीतिक रैलियां, फिल्म प्रीमियर या खेलों से जुड़े आयोजन, प्रतीत होता है कि विभिन्न स्थलों पर भगदड़ों का एक अंतहीन सिलसिला कायम है। यहां कुछ प्रश्न उठने प्रासंगिक हैं कि क्या हमने पिछले हादसे से कोई सबक सीखा? क्या इसे लेकर कोई जवाबदेही होनी चाहिए? क्या आयोजक और अनुमति देने वाली प्राधिकारी संस्था एवं कानून प्रवर्तन एजेंसियों-राजनीतिक आका इसके उत्तरदायी हैं? इन प्रश्नों के उत्तर स्वाभाविक ही नजर आते हैं ।अक्सर सवाल उठता है कि आमजन इसमें क्या कर सकते हैं? सही मुद्दों पर अपेक्षित रूप से आवाज उठाने के अलावा यह भी विस्मृत न किया जाए कि किसी भी तंत्र में हम ही सबसे बड़े अंशभागी हैं, जिनके बिना कोई भी ठोस सुधार संभव नहीं। जहां तक बेंगलुरु जैसी भयावह भगदड़ की बात है तो उसमें भी आम जनमानस के लिए कुछ सबक निहित हैं। यह सर्वविदित है कि हमारा समाज सेलेब्रिटी सितारों की चमक से अत्यधिक प्रभावित रहता है। वैसे तो नामचीन हस्तियों के प्रति दीवानगी पूरी दुनिया में देखी जाती है, लेकिन भारत में यह कभी-कभी उन्माद की सीमा को पार कर

जाती है ।हम प्रायः सराहना और जुनून के बीच की रेखा को धुंधला कर देते हैं। ऐसी ही परिस्थितियों में एक स्वीडिश संकल्पना ह्यलागोमह्ल उपयुक्त होगी। यह प्रत्येक स्तर पर संतुलन की बात करती है। न कहीं कम, न कहीं अधिक, अपितु एकदम सटीक। देखा जाए तो चाहे कामकाजी-निजी जीवन हो, मनोरंजन या फिर कोई अन्य पहलू, उसमें मध्यमार्ग ही सर्वोत्तम होता है। इसी संदर्भ में प्राचीन भारतीय आख्यानों में महाभारत से जुड़ा एक प्रसंग भी अत्यंत अर्थपूर्ण है। इसमें यक्ष के रूप में यमराज द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में युधिष्ठिर ने कहा कि तृष्णा ही सभी दुखों का मूल है और आवश्यकता से अधिक कोई भी वस्तु वास्तव में अहितकारी हो जाती है। आधुनिक समाज के लिए भी इस प्रेरक दर्शन को आत्मसात करना श्रेयस्कर होगा ।आखिर संयमित जीवनशैली वाली वह समझदारी कहां गायब हो गई? समाज में विवेकशील व्यवस्था और आत्मसंयम का भाव अतिवाद की ओर उन्मुख होने से रोकता है। इससे व्यक्ति न तो तत्काल सुख-संतुष्टि खोजता है और न ही समकालीन प्रलोभनों के फेर में फंसता है। यह सही है कि फिल्मी सितारों और क्रिकेटरों की उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं, लेकिन यह भी न भूला जाए कि मूल रूप से वे मनोरंजन से ही जुड़े हैं। अपने चयनित क्षेत्र में उत्कृष्टता के प्रतीक और समाज के मनोरंजन जैसी महत्वपूर्ण भूमिका के चलते वे सम्मान एवं सराहना के पात्र अवश्य हैं, किंतु जनता को उनके प्रति उन्मादी जुनून से परहेज करना चाहिए। हमारे दिलों में उनके लिए जगह होनी चाहिए, लेकिन वे हमारे दिमाग पर हावी न होने पाएं। सिनेमा और क्रिकेट के सितारों की एक झलक पाने के लिए हमारे लोग जिस तरह किसी भी कठिनाई का सामना करने से लेकर अपनी जान जोखिम में डालने से भी गुरेज नहीं करते, वह रवैया न केवल अतार्किक, बल्कि किसी सनक या पागलपन से कम नहीं ।समय की मांग है कि संयम की संस्कृति विकसित की जाए। साथ ही राष्ट्रीय आदर्शों का विवेकसम्मत चयन भी महत्वपूर्ण है। मानसिकता में बदलाव ही इसमें मददगार होगा। आखिर हममें से कितने लोग डा. माधवी लता को अपना आदर्श मानेंगे, जिनकी बहुचर्चित चिनाब ब्रिज के निर्माण में महती भूमिका रही। नागरिक समाज को मनोरंजन जगत की नामचीन हस्तियों से परे देखना होगा। मनोरंजन जगत के सितारों की आभा ईर्ष्या का विषय कतई नहीं होनी चाहिए, फिर भी यह आवश्यक है कि राष्ट्र जीवन के अन्य क्षेत्रों से भी आदर्श उभरें। ये डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, शोधार्थी, उद्यमी, लेखक-विचारक और रक्षा-सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से भी हो सकते हैं ।रोल माडल की दृष्टि से किसी एक धारा के लोगों का अतिशय महिमामंडन करने के बजाय व्यापकता पर जोर देने वाला बहुरंगी तंत्र कहीं बेहतर होगा। समग्रता से परिपूर्ण दृष्टिकोण समाज में संतुलन सुनिश्चित करेगा। इसके अतिरिक्त, हमें शिक्षा के अपने ढांचे को इस प्रकार समृद्ध करना होगा, जो व्यवस्थित आचरण को प्रोत्साहित करे और नियम-कानूनों के अनुपालन को लेकर प्रतिबद्ध बनाए। लोगों के निजी जीवन की गरिमा का सम्मान करने, सामान्य सार्वजनिक शिष्टाचार प्रदर्शित करने और स्थिति के अनुरूप डाटा केंद्रित या तंत्रीय प्रणाली वाला दृष्टिकोण ही सभ्यतागत विकास का हिस्सा है। यह एक समझदार एवं संवेदनशील समाज का संकेतक है। आर्थिक महाशक्ति बने बिना भी सामान्य शिष्टाचार का परिचय तो दिया ही जा सकता है ।समृद्धि एवं संपन्नता विकसित समाज की अनिवार्य शर्तें अवश्य हैं, लेकिन अपने आप में पर्याप्त नहीं। ये भले ही मूलभूत आवश्यक बिंदु हों, किंतु हमें इनसे परे भी देखना होगा। अस्वाभाविक मौतें और टाली जा सकने वाली जनहानि हमारे गले की फांस सी बन गई है ।एक ओर हम राज्य की निरंतर उपेक्षा से ग्रस्त हैं, वहीं अक्सर स्वयं भी समस्याओं को बढ़ावा देने या आसानी से टाली जा सकने वाली त्रासदियों को आमंत्रण देते रहते हैं। राज्य की लापरवाही हमें कुपित करती है तो खुद अपनी उदासीनता का भाव हमें कुंठा से भर देता है। राज्य जो करेगा, जब करेगा, लेकिन क्या हम अपने ही रवैये के भुक्तभोगी बने रहें? कहते हैं कि समय हर घाव को भर देता है। यह बात अगर उन अभिभावकों से कही जाए, जिन्होंने बेंगलुरु की भगदड़ में अपने बच्चों को खो दिया तो क्या वे शोकाकुल परिवार ऐसी सांत्वना भर से संतुष्ट हो जाएंगे? क्या ऐसी भयानक त्रासदियों का कोई अंत दिखता है? हम अवश्य ही यह उम्मीद और प्रार्थना करें, परंतु यह संकल्प भी लें कि टाली जा सकने वाली जनहानि को अगर पूरी तरह रोक भी न पाएं तो उनका दायरा घटाने में अपना अपेक्षित योगदान दें। मानव जीवन के लिए इससे अधिक गरिमामय कुछ और नहीं होगा।

भाषाई चिंतन : राष्ट्रभाषा? हिंदी इतनी उपेक्षित क्यों?

संजीव ठाकुर

हिंदी भाषा न सिर्फ करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है बल्कि विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ₹राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है₹ हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं जैसे ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह विडंबना की बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है? अभी दक्षिण भारत मे हिंदी के विरोध अनर्गल प्रलाप जारी होकर उसका खुलकर विरोध किया जा रहा है ।स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया था कि एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा थी। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है।

हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ₹हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया₹ यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 65 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है ।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है । और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है।

भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने हिंदी की प्रगति के लिए कुछ पंक्तियां कही है जो आज भी उल्लेखनीय है,

निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल,
बृज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल।

जय हिंदी जय हिंदुस्तान
हिंदी भाषा अमर रहे।

नेपाल में फलता फूलता नौजवान लड़कियों की चमड़ी बेचने का कारोबार

(सुभाष आनंद)

अभी-अभी नेपाल भ्रमण के दौरान मुझे कुछ अनोखी चीजें देखने को मिली यहां वक्ष और लिंग का आकार बढ़ाने के लिए अपने चमड़ी बेचने का धंधा बड़ी तेजी से फल-फूल रहा है। नेपाली औरतों को पैसे के लालच में फंसा कर सैक्स के धंधे में सक्रिय लोग उन्हें लालच देकर चमड़ी खरीदते हैं और बाद में लिंग का आकार बढ़ाने और वक्षों का आकार बड़ा करने के लिए आपरेशनों द्वारा चमड़ी का प्रयोग किया जाता है। विदेशी एजेंट इस धंधे में ज्यादा सक्रिय नजर आते हैं। एक विदेशी वेबसाइट नेपाल बीम स्किन व्यापार में कहा गया है कि नेपाली महिलाएं मात्र 10,000 रुपये के लिए 20 वर्ग इंच चमड़ी ग्लोबल सर्जरी मार्केट में बेच रही हैं, विदेशी एजेंट घरों-घरों में यह ऑफर गरीब महिलाओं को दे रहे है। अतः महिलाएं यह धंधा हर्ष से स्वीकार कर रही हैं। चमड़ी उतारने के बाद ट्रीटमेंट पर जो खर्च आता है वह एजेंट ही देते हैं।

नेपाल में महिलाओं की चमड़ी के धंधे को लेकर नेपाल सरकार स्वयं बड़ी चिंतित है और उन्होंने इस व्यापार को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। कहा जा रहा है कि इस कारोबार में लगे एजेटों को कड़ी सजा दी जाएगी लेकिन अभी तक नेपाल सरकार ने इसे रोकने के लिए कोई कानून नहीं बनाया है। भारत के बड़े-बड़े शहरों जैसे दिल्ली, कलकत्ता, मुंबई इत्यादि में जिन महिलाओं के वक्ष छोटे है वह अपने वक्षों का साईज बड़ा करने के लिए इस चमड़ी को वक्षों पर चढ़ाकर बढ़ा बना रही हैं ताकि वह नए लुक में अच्छी और आकर्षक लग सके, वहीं मर्द जिनके लिंग का साईज कम है वह भी आर्टीफिशियल चमड़ी आप्रेशन द्वारा चढ़ाकर लिंग के साईज को लम्बा और मोटा कर रहे हैं इस प्रक्रिया के लिए लोग लाखों रुपए खर्च कर रहे हैं। चमड़ी रोग विशेषज्ञों का कहना है कि एक आप्रेशन की फीस एक लाख से डेढ़ लाख ली जाती है। त्वचा का यह आपरेशन अवैध माना जाता है परंतु बड़े-बड़े हस्पतालों में चोरी-छुपे हो रहे हैं। मीडिया में ऐसी बहुत सी रिपोर्ट आई है कि इस गरीब पर्वतीय देश से महिलाओं को मानव तस्करों के द्वारा दूसरे देशों में मजदूरी करने या यौन शोषण के लिए यहां तक कि गुर्दा प्रत्यारोषण के लिए भी लाया जाता है लेकिन चमड़ी के लिए मानव तस्करी की बात पहली बार सामने आई है। नेपाल की लड़कियों को नौकरी का झांसा देकर पहले उन्हें बाहर ले जाया जाता है फिर उन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया जाता है, जब उनके वक्ष बड़े हो जाते हैं तो फिर चमड़ी का सौदा करके बड़े हुए वक्षों को सर्जरी के द्वारा कम कर दिया जाता है और इनकी चमड़ी अन्य महिलाओं के वक्ष में ट्रांसप्लांट कर दी जाती है। कुछ नेपाली महिलाओं ने आरोप लगाया है कि जिन जगहों पर वह जिस्म फरोशी का धंधा करते हैं वहां के दलाल उन्हें नशे की दवाएं देकर उनकी चमड़ी को रातों रात चुरा लेते है ऐसी चुराई चमड़ी को पैथालाजी प्रयोगशालाओं में बड़ी-बड़ी रकमें लेकर बेचा जाता है। जो इसका ट्रांसप्लांट आगे करती है। अब विदेशों में भी यह प्रचलन बढ़ता जा रहा है।

अमेरिका, जर्मनी, डैनमार्क, इटली की कई कम्पनियां प्लास्टिक सर्जरी के लिए इस चमड़ी का प्रयोग करती हैं अमेरिका और जर्मनी की कई कम्पनियां इस चमड़ी से कई प्रकार के महंगे उत्पाद तैयार कर रही है कॉसमैटिक सर्जरी के लिए यह चमड़ी काफी महंगे भावों में बेची जाती है। यह चमड़ी बहुत मुलायम और चमकदार होती है। हमने इस सच्चाई को जानने की कोशिश की तो हमने पाया कि 30-35 वर्ष की कई नौजवान नेपाली महिलाओं ने अपने ब्रेस्ट की सर्जरी करवा रखी है। जिसके कारण उनके वक्षों का साइज बहुत छोटा सा रह गया है।

श्रद्धालुओं से भरी डीसीएम पलटी, 18 लोग जख्मी

टीकमगढ़ से संगम आए थे, एक की हालत गंभीर, फोर्ट रोड पर हुआ हादसा

भारत संवाद

प्रयागराज, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ से आए श्रद्धालुओं से भरा डीसीएम पलट गया। डीसीएम में कुल 27 श्रद्धालु सवार थे, जो संगम स्नान के लिए प्रयागराज आए थे। हादसे में 18 लोग घायल हो गए, जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर है। उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। हादसा फोर्ट रोड पर संगम चौकी के पास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों और संगम पुलिस चौकी की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और तत्काल स्वरूप रानी नेहरू (रफठ) अस्पताल भेजा गया। वहां डॉ. आर. बी. कमल ने बताया कि घायलों में अधिकांश को मामूली चोटें हैं और सभी का इलाज चल रहा है। इस मामले में डीसीपी सिटी अभिषेक भारती ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि डीसीएम में क्षमता से अधिक लोग सवार थे, जिससे वाहन असंतुलित होकर पलट गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है। मुकेश पाल 34 वर्ष, गोहर पाल 17 वर्ष, घनश्याम पाल 38 वर्ष, चेतन पाल 38 वर्ष, चिंटू पाल 38 वर्ष, मनीष 10 वर्ष, संजेश 11 वर्ष, मणिलाल 65 वर्ष, लेखराज 24 वर्ष, घनश्याम 32 वर्ष, कमलेश 34 वर्ष, धर्मराज 33 वर्ष, गयादीन 45 वर्ष, गौरा 60 वर्ष। दो जख्मी की पहचान नहीं हो सकी है।

महापौर द्वारा आगामी वर्षा ऋतु के दृष्टिगत नाला नाली एवं सीवर सफाई व्यवस्था हेतु समीक्षा बैठक

नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, महाप्रबन्धक जलकल व सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे।

भारत संवाद

प्रयागराज , उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी मा0 महापौर द्वारा आगामी वर्षा ऋतु के दृष्टिगत शहर में स्थित नाला नाली एवं सीवर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा बैठक आहुत की गयी। जिसमें नगर आयुक्त, अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियन्ता, नगर स्वास्थ्य अधिकारी, महाप्रबन्धक जलकल व सभी जोनल अधिकारी उपस्थित रहे ।नगर आयुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि जनकार्य विभाग द्वारा 1 मीटर से अधिक गहरे 125 नाले की सफाई का कार्य एक बार पूर्ण कराया जा चुका है ।नगर स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि नालों की सफाई का कार्य प्रगति पर है परन्तु सभी नालों पर मैन पावर कम होने के कारण सफाई का कार्य अपेक्षा कृत नहीं हो पा रहा हैमा0 महापौर जी द्वारा निर्देश दिये गये कि सभी जोनों में उपलब्ध मैन पावर को देखते हुये 20-20 आदमी और बढ़ा दिये जाय तथा युद्व स्तर पर कार्य करते हुये नाले की सफाई का कार्य करा दिया जाय । निविदा के द्वारा जो नाले सफाई कराये जा रहे है उनका निरीक्षण किया जाय और नाला साफ न होने पर निविदा दाता के बिल से 25 प्रतिशत की कटौती कर ली जाय ।इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाय ।समस्त जोनों में वर्षा ऋतु के पूर्व सभी नालों नालियों ,मेन लाइनों में तथा गलियों में स्थिति सीवर लाइनों में मेन होलिंग का कार्य, पानी लिकेज को ठीक करने का कार्य तथा टूटे सीवर के ढक्कनों को बदलने, सड़क पर स्थित गढढों को भरने का कार्य युद्व स्तर पर किया जाना सुनिश्चित किया जाय ताकि वर्षा अधिक होने पर जल प्लावन की स्थिति न उत्पन्न हो तथा सभी शहर वासियों को किसी प्रकार की असुविधा का समाना न करना पड़े व जलप्लावन की स्थिति से बचा जा सके ।शहर में जो भी सीवर लाइन गंगा प्रदूषण ईकाइ द्वारा डाली गयी है उसकी सफाई के लिये भी महाप्रबन्धक जलकल को निर्देश दिये गये कि विभाग से समन्वय स्थापित कर वर्षा ऋतु के पूर्व सभी सीवर की सफाई करा दी जाय। इसमें किसी प्रकार की लापवाही न की जाय ।वर्षा के दृष्टिगत सुपर शाकर व जेटिंग मशीन ठीक करा ली जाय व जोनल अधिकारियों की मॉग पर उन्हे उपलब्ध कराया जाय।

फास्ट ट्रैक

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः13.06.2025 को उप-निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना चिल्ह क्षेत्र से अभियुक्त शहंशाह यादव पुत्र हिंचलाल यादव निवासी मलाधरपुर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को 10 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चिल्ह पर मु0अ0सं0-145/2025 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई ।

थाना अदलहाट पुलिस द्वारा नाबालिग को बहला-फुसला कर भगाने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना अदलहाट, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः02.06.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना अदलहाट पर मु0अ0सं0-171/2025 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्माह्व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में अपहता की बरामदगी एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक अदलहाट को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अदलहाट पर पंजीकृत उक्त अभियोग में अपहता को पूर्व में बरामद कर मुकदमा उपरोक्त की अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः13.06.2025 को उप-निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर नामजद अभियुक्त राहुल पुत्र रामसिंह निवासी बिजुरही थाना चुनार जनपद मीरजापुर को शेरपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

डॉक्टरों की मानवीय पहल

अहमदाबाद हादसे के पीड़ितों के लिए रक्तदान और चिकित्सा सहायता की तैयारी

भारत संवाद

प्रयागराज, अहमदाबाद में हुए भयावह विमान हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है।इस दर्दनाक घटना में जहां विमान में सवार यात्रियों की जान गई।वहीं जिस मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल पर विमान गिरा, वहां पढ़ने वाले कई मेडिकल स्टूडेंट्स और स्टाफ की भी दर्दनाक मौत हो गई।इस हादसे से प्रयागराज के डॉक्टर भी गहरे दुख में हैं।इलाहाबाद मेडिकल एसोसिएशन और सर्जन एसोसिएशन की ओर से हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी गई।संस्था के अध्यक्ष डॉ. सुजीत सिंह ने बताया कि 14 जून को देशभर में ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में प्रयागराज में भी विशेष ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है, ताकि अहमदाबाद हादसे के घायलों को जरूरत पड़ने पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। डॉ. सुजीत सिंह ने स्पष्ट किया कि यदि स्थिति की मांग हुई तो प्रयागराज से चिकित्सकीय टीम अहमदाबाद भेजने के लिए भी पूरी तरह तैयार है।उन्होंने कहा, यह सिर्फ औपचारिकता नहीं है, बल्कि चिकित्सकों का समाज के प्रति दायित्व है।

किसान की समृद्धि से ही प्रदेश की प्रगति होगी

बाजार की मांग के दृष्टिगत औद्यानिक खेती करें किसान

- पारंपरिक खेती की अपेक्षा औद्यानिक खेती में अधिक आमदनी, किसानों को मिल रही सब्सिडी -दिनेश प्रताप सिंह
- मेरठ एवं सहारनपुर मण्डल की औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन

भारत संवाद

लखनऊ : प्रदेश के उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा अपनी स्वर्णिम यात्रा के 50 वर्ष पूरा करने के उपलक्ष्य में औद्यानिक फसलों को बढ़ावा देने एवं किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश के मण्डलों में औद्यानिक उन्नयन गोष्ठियों का अयोजन किया जा रहा है।इसी क्रम में आज जनपद मेरठ में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में मेरठ एवं सहारनपुर मण्डल की गोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया तथा प्रदर्शनी भी लगायी गयी। इस गोष्ठी का शुभारम्भ उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने की।उद्यान मंत्री ने कहा कि किसानों की आय वृद्धि हेतु सरकार द्वारा लगातार सकारात्मक प्रयास किये जा रहे हैं। किसान भाइयों को विभिन्न योजनाओं एवं कृषि प्रणालियों के तहत आशानुरूप इसका लाभ भी प्राप्त हो रहा है।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बाजार की मांग को देखते हुए औद्यानिक खेती का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है।मेरठ एवं सहारनपुर के किसानों द्वारा शहद उत्पादन के कारण हमारे उत्तर प्रदेश का सम्मान दुनिया में बढ़ा है।इतना ही नहीं प्रदेश के किसानों द्वारा औद्यानिक खेती के माध्यम से फूलों, मसालों आदि का भी उत्पादन बहुत ही बेहतरीन तरीके से किया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि शिमला मिर्च, स्ट्रॉबेरी, फूलों, मसालों आदि की खेती में पारंपरिक खेती की अपेक्षा बेहतर आमदनी होती है। इन सभी की खेती करने पर प्रदेश सरकार किसानों को सहायता और अनुदान प्रदान कर रही है।हम संरक्षित खेती के लिए भी किसानों को सहायता राशि प्रदान कर रहे हैं। अगर किसानों के साथ सरकार है तो किसानों को भी पारंपरिक खेती के साथ ही नकदी या औद्यानिक खेती की ओर ध्यान देना चाहिए। उद्यान मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के संकल्प को साकार करने के लिए मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उद्यान विभाग उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। उसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश ह्यखुशहाल किसान एवं समृद्ध प्रदेशह्न की तरफ अग्रसर है। खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार सब्सिडी प्रदान कर रही है। इन इकाइयों की स्थापना करने के साथ ही किसान न सिर्फ उत्पादों में वैल्यू एडिशन कर सकते हैं, बल्कि इससे रोजगार देने वाले भी बन सकते हैं। टमाटर, हल्दी आदि की सेल्फ लाइफ बढ़ाने का काम खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के माध्यम से किया जा सकता है।

रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा 226 अभ्यर्थियों का किया गया चयन

भारत संवाद

क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, प्रयागराज द्वारा राजकीय काष्ठकला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कटरा, प्रयागराज परिसर में दिनांक 13.06.2025 को प्रातः 10:00 बजे से रोजगार मेला का आयोजन किया गया। इस मेले में निजी क्षेत्र की विभिन्न कम्पनियों द्वारा कुल 226 अभ्यर्थियों का चयन किया गया। रोजगार मेले में कुल 334 बेरोजगार अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में श्री, प्रधानाचार्य, राजकीय काष्ठकला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, कटरा, प्रयागराज तथा रोजगार मेला अधिकारी श्री प्रशान्त उपस्थित रहे। रोजगार मेले में श्री के0के0 कुशवाहा/श्री विश्वमोहन द्विवेदी, अनु0 द्वारा प्रीप्लेसमेंट कैरियर काउंसिलिग कार्यक्रम का संचालन किया गया। मेला प्रभारी श्री मारूफ अहमद एवं सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से प्रदेश के 19.94 लाख से अधिक स्ट्रीट वेण्डर हुए लाभान्वित

प्रदेश में कोविड-19 के दौरान छोटे-बड़े शहरों में रेहड़ी वाले, पटरी व सड़क किनारे दुकान, कोई धन्धा, कारोबार करके रोज कमाने रोज खाने वाले काफी दुकानदार एवं वेण्डर्स अपनी रोजी-रोटी चलाते थे, वह लॉकडाउन के दौरान बन्द हो गया था। ये शहरी पथ विक्रेता ऐसे होते थे जो प्रतिदिन वस्तुएं खरीदते और उसे प्रतिदिन बेचते थे। ये पथ विक्रेता प्रतिदिन जो कमाते थे उससे उनके परिवार का पालन पोषण होता था। ऐसे शहरी पथ विक्रेताओं की संख्या प्रदेश में लाखों है। जो लोग दैनिक आजीविका के कारोबार करते थे, धनाभाव के कारण बन्द हो गया। कारोबार बन्द होने से शहरी पथ विक्रेताओं के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया था ।शहरी पथ विक्रेताओं की इन्हीं समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए भारत के मा० प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 01 जून, 2020 से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेन्डर्स आत्मनिर्भर निधि (पी0एम0 स्वनिधि) योजना का शुभारम्भ किया है, जिसके अन्तर्गत शहरी पथ विक्रेताओं को पुनः अपना कार्य शुरू कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा आर्थिक पैकेज के रूप में आसान किश्तों पर ऋण की सुविधा देकर कार्यशील पूँजी बनाने में उनकी सहायता की जा रही है। प्रदेश सरकार बेरोजगार हुए हर वर्ग के लोगों की सहायता कर रही है। प्रदेश सरकार खेतिहर, मजदूर, किसान, कारीगर, कुशल/अर्द्धकुशल श्रमिक, उद्योग-धंधों के लोगों, उद्यमी व्यवसायी सभी को आवश्यक सहायता कर रही है। जिससे उनका विकास हो और प्रदेश समृद्ध बने। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में शहरी रेहड़ी पटरी वालों व छोटी-मोटी दुकान वालों को अपना कारोबार फिर से खड़ा करने के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना से प्रदेश सरकार पथ विक्रेताओं को लाभान्वित करा रही है। जो लोग पहले से वेंडिंग कर रहे है, वे वेंडर्स इस योजना से लाभ उठा रहे है।

प्रयागराज मंडल में यूटीएस टिकट से आय अर्जन एवं यात्रियों की संख्या में वृद्धि

भारत संवाद

प्रयागराज मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के दिशा निर्देशन मण्डल द्वारा किया सकारात्मक प्रयासों से यूटीएस (अनारक्षित टिकट प्रणाली) टिकट से यात्रियों की संख्या एवं आय अर्जन में निरंतर वृद्धि हो रही है । रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुखद और आरामदायक यात्रा के साथ बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रयागराज मण्डल ने बिना टिकट अनियमित टिकट के विरुद्ध चेकिंग अभियान के साथ-साथ यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्टेशनों पर स्टीकर, पोस्टर एवं एनाउंस के माध्यम से उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करने के लिए निरंतर जागरूक किया जा रहा है । प्रयागराज मंडल में 1 अप्रैल से 10 जून तक की अवधि में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से यात्रियों की संख्या में 11.61 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है ।इस अवधि में गत वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से 1.03 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की थी जबकि चालू वित्तीय वर्ष में यह संख्या बढ़कर 1.15 करोड़ हो गयी ।प्रयागराज मंडल में 1 अप्रैल से 10 जून तक की अवधि में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से आय अर्जन में 11.84 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है ।इस अवधि में गत वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से 70.16 करोड़ आय अर्जन हुयी थी जबकि चालू वित्तीय वर्ष में आय अर्जन बढ़कर 78.47 करोड़ हो गयी ।प्रयागराज मंडल में 1 जून से 10 जून तक की अवधि में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से यात्रियों की संख्या में 34.18 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है ।इस अवधि में गत वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से 13.40 लाख यात्रियों ने यात्रा की थी जबकि चालू वित्तीय वर्ष में यह संख्या बढ़कर 17.98 लाख हो गयी ।प्रयागराज मंडल में 1 जून से 10 जून तक की अवधि में गत वित्तीय वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से आय अर्जन में 48.05 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है ।इस अवधि में गत वित्तीय वर्ष में यूटीएस टिकट से 8.99 करोड़ आय अर्जन हुयी थी जबकि चालू वित्तीय वर्ष में आय अर्जन बढ़कर 13.31 करोड़ हो गयी ।

चिनाब पुल ने दिलों को भी जोड़ा है: टी. जी. सीथाराम

भारत संवाद

नई दिल्ली , दुनिया के सबसे ऊंचे रेल पुल चिनाब ब्रिज के निर्माण में प्रारंभ से ही जुड़े रहे ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के अध्यक्ष प्रोफेसर टी. जी. सीथाराम ने जम्मू को कश्मीर से जोड़ने वाली इस पूरी परियोजना को अति विशिष्ट बताते हुए कहा कि चिनाब ब्रिज विश्व का एक नया अजूबा है, जिसका निर्माण भारतीय इंजीनियरों ने किया है ।उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर को हर मौसम में जोड़ने के लिए तैयार किए गए इस पुल ने दिलों को भी जोड़ा है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश के हर नागरिक की इसमें जबरदस्त भूमिका है ।इंजीनियरिंग की मिसाल इस ब्रिज का सपना साकार करने में हजारों इंजीनियरों और श्रमिकों ने महती भूमिका अदा की है। चिनाब ब्रिज के निर्माण की अद्वितीय यात्रा को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि ₹2005 में जब पहली बार मैंने चिनाब घाटी में कदम रखा, तब मुझे अंदाजा नहीं था कि मैं इतिहास के निर्माण का हिस्सा हूँ। वहां की भौगोलिक स्थिति अत्यंत कठिन थी, जमीन अस्थिर थी और अपेक्षाएँ बहुत ऊँची। फिर भी हमारा विजन स्पष्ट था कि हम केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं, राष्ट्रीय गौरव का निर्माण करने वाले हैं ।कश्मीर की पर्याय चिनाब नदी के ऊपर 359 मीटर की ऊंचाई पर बने इस पुल को ₹विज्ञान, आत्मा और राष्ट्रीय चेतना की यात्रा₹ बताते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 20 वर्षों की इस प्रक्रिया में हजारों इंजीनियरों, श्रमिकों और वैज्ञानिकों का समर्पण समाहित है।

अभिलेख और अभिलेखागार ही शोध की प्रामाणिकता को करते है सिद्ध

भारत संवाद

आज दिनांक 13 जून, 2025 को अभिलेख/पाण्डुलिपि अभिरूचि विषयक छह दिवसीय कार्यशाला कार्यक्रम आयोजन के पांचवे दिन क्षेत्रीय अभिलेखागार(संस्कृति विभाग), प्रयागराज द्वारा केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय परिसर मेडिकल चौराहा में कार्यशाला कार्यक्रम आयोजित की गई। मुख्य वक्ता डॉ0 रेफाक अहमद सहायक प्राध्यापक ईश्वर शरण डिग्री कालेज, प्रयागराज ने अपने सम्बोधन में बताया कि अभिलेख और अभिलेखागार ही शोध की प्रामाणिकता को सिद्ध करते है। बिना मूल अभिलेख के शोध कार्य पूर्ण नहीं माना जाता है। शोध छात्रों को अभिलेखागार और पुस्तकालय के मूल दस्तावेजों का गहन अध्ययन और शोध की आवश्यकता के बारे में विस्तार से बताया। डॉ शाकिरा तलत, प्राविधिक सहायक(फारसी) ने फारसी पाण्डुलिपियां/अभिलेखों में शोध का महत्व विषय पर चर्चा की।श्री शैलेन्द्र यादव प्राविधिक सहायक(परिरक्षण) उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा अभिलेख संरक्षण में अभिलेख मरम्मत की विधियां जैसे फूल पेस्टिंग, टीशू रिपेयर, सिफान रिपेयर इत्यादि के बारे उपस्थित प्रतिभागियों को समझाया। प्रतिभागियों द्वारा क्षेत्रीय अभिलेखागार का भ्रमण भी किया गया, प्राविधिक सहायक श्री राकेश कुमार वर्मा ने समस्त प्रतिभागियों को अभिलेखों का वर्गीकरण तथा सूचीकरण की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की कार्यशाला में लगभग 70 से अधिक विभिन्न विश्व विद्यालयों के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया ।कार्यक्रम का संचालन श्री हरिश्चन्द्र दुबे प्राविधिक सहायक(संस्कृत) द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत और आभार श्री राकेश कुमार वर्मा प्राविधिक सहायक(इतिहास) द्वारा किया गया। श्री गुलाम सरवर प्रभारी क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया ।इस अवसर पर श्री राम आसरे सरोज पुस्तकालयाध्यक्ष केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय, डॉ शाकिरा तलत, प्राविधिक सहायक, रूसी श्रीवास्तव ज्येष्ठ प्राविधिक सहायक, वेदानन्द विश्वकर्मा, शुभम कुमार सहित विभिन्न विश्व विद्यालयों के छात्र छात्राओं की उपस्थिति रही।

श्रद्धांजलि

परमार्थ निकेतन में आयोजित श्रीराम कथा, परमार्थ गंगा आरती व विश्व शान्ति यज्ञ किया समर्पित

अहमदाबाद विमान हादसे में दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि

भारत संवाद

- पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनायें
- स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने संपूर्ण राष्ट्र को एकजुट रहने का किया आह्वान
- अहमदाबाद विमान हादसा पूरे राष्ट्र की साँझी पीड़ा : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

ऋषिकेश। अहमदाबाद में घटित भयावह विमान हादसे की दुखद व पीड़ादायक खबर ने सम्पूर्ण देश को गहरे शोक और स्तब्धता में डुबो दिया है। यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं थी, यह असंख्य परिवारों के सपनों, रिश्तों और मुस्कानों के अचानक बिखर जाने की एक ऐसी असहनीय पीड़ा है, जिसके सामने सभी स्तब्ध और मौन हैं, इसके बारे में सोचकर ही हृदय सुन्न हो जाता है और आँखें नम हो जाती हैं। जो परिवार डीएनए परीक्षण की प्रतीक्षा में अपने प्रियजनों के शव की पहचान के लिए व्याकुल हैं, उनके लिए यह घड़ी असहनीय पीड़ा से भरी है। ऐसे दुःख में कोई शब्द पर्याप्त नहीं। हम बस उनके साथ प्रार्थनाओं में खड़े हैं। ईश्वर उन्हें शक्ति, धैर्य और संबल प्रदान करें।

परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में आज प्रातः श्रीराम कथा, विशेष हवन और सायं की दिव्य गंगा आरती, इस दर्दनाक हादसे के पीड़ितों की आत्मा की शांति, घायलजनों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ तथा उनके परिवारों को शक्ति, धैर्य और संबल प्रदान करने की प्रार्थना के साथ समर्पित की गई। इस दुःखद घड़ी में संपूर्ण राष्ट्र को एकजुट होने, पीड़ितों के साथ खड़े होने और मानवीय संवेदनाओं को और गहराई से समझने का संदेश स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने दिया। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह हादसा न केवल गुजरात की पीड़ा है, यह पूरे भारत की पीड़ा है। यह एक ऐसी क्षति है जिसे केवल आंकड़ों में नहीं बाँधा जा सकता। इसमें वे युवा डॉक्टर शामिल थे जो सेवा भाव से अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे, वे परिवार शामिल थे जिनका जीवन एक क्षण में बदल गया, और वे मासूम सपने शामिल थे जो अब कभी पूरे नहीं हो सकेंगे ।स्वास्थ्य सेवा से जुड़े ये युवा चिकित्सक, जो देश के उज्ज्वल भविष्य का प्रतिनिधित्व करते थे, इस तरह से असमय हमसे विदा हो जाएंगे, यह किसी ने भी नहीं सोचा था।

इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी का भी निधन अत्यंत दुःखद और देश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने लंबे समय तक जनसेवा, विकास और सुशासन के लिए कार्य किया। उनके सहज, सरल व कर्मनिष्ठ व्यक्तित्व को देश हमेशा याद रखेगा। परमार्थ निकेतन की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके परिवारजनों के लिए भी संवेदना व्यक्त की गई।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं है, यह मानवता की अंतरात्मा को झकझोर देने वाला क्षण है। जब कोई एक प्रांत में दुख होता है, तो संपूर्ण भारत उस पीड़ा को साझा करता है। हमें जाति, भाषा, क्षेत्र से ऊपर उठकर एकजुट होकर करुणा और सहयोग की भावना से आगे आना होगा। यही भारत की असली ताकत है।

स्वामी जी ने माँ गंगा से प्रार्थना की कि वे इस हादसे से प्रभावित हर माँ, हर पिता, हर भाई-बहन, हर बच्चे को शक्ति और धैर्य प्रदान करें। उन्होंने देशवासियों से आग्रह है कि वे एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करें। यह केवल एक मौन नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश है उन शोकाकुल परिवारों के लिए कि वे अकेले नहीं हैं, पूरा राष्ट्र उनके साथ खड़ा है।

खजुरी नदी जीर्णोद्धार/सफाई कार्य में तेजी लाने का निर्देश-जिलाधिकारी ने महेवा पुल एवं वीरशाहपुर में भ्रमण कर कराए जा रहे कार्यों का किया निरीक्षण

राजस्व टीम से पैमाइश कराकर नदी के चैड़ाई तक कराएं सफाई कार्य -जिलाधिकारी

भारत संवाद

मीरजापुर - जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने आज सिटी विकास खण्ड अन्तर्गत खजुरी नदी के जीर्णोद्धार/ सफाई कार्य का भ्रमण कर प्रगति का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायत महेवा के मुख्य सड़क से जाने वाली नदी के पुल के पास चल रहे कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नदी तलहटी से सटा हुआ किसी के व्यक्ति के द्वारा दीवाल निर्माण कराया जा रहा है, जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि लेखपाल के द्वारा नदी के चैड़ाई की पैमाइश कराएं यदि यह दीवाल नदी सीमा के अन्तर्गत आता है तो हटवाने की कार्यवाही करें। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत वीरशाहपुर हुनमान मन्दिर के पास से गुजरने वाले खजुरी नदी पर चल रहे सफाई कार्य का नदी के किनारे-किनारे भ्रमण कर कार्य प्रगति का निरीक्षण किया तथा नदी की तलहटी की सफाई के साथ-साथ जमे हुए सिल्ट/मिट्टियों हटवाया तथा झाड़ियो को कटवाया जाए। इस अवसर जिलाधिकारी ने खजुरी नदी चलने जीणोद्धार/सफाई कार्य को तेजी लाते हुए प्रगति लाने का निर्देश दिया कहा कि यदि आवश्यकता पड़े मजदूरो की संख्या बढ़ाई जाए ताकि वर्षा के पूर्व सफाई कार्य पूर्ण किया जा सकें। खण्ड विकास अधिकारी सिटी ने बताया कि यह नदी लोवर खजुरी से निकलकर 16 ग्राम पंचायतो से होकर बहती है जो 19 किलोमीटर तक जाकर गंगा नदी में मिल जाती है। उन्होंने बताया कि 14 ग्राम पंचायतो में जीणोद्धार का कार्य कराया जा रहा है कही-कही पानी भरे होने से कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं। उन्होंने बताया कि नदी सफाई कार्य में साधारण कार्य मनरेगा मजदूरो से तथा जहां भारी संख्या में सिल्ट/मिट्टी जमा हो गए है वहां जे0सी0बी0 का प्रयोग करते हुए कार्य को समय से पूर्ण करा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस नदी के जीर्णोद्धार व सफाई से जहां आस पास के गांव का जल स्तर ऊपर आएगा वहीं किसानो के खेती की सिंचाई सहित पशुओ के पानी पीने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा।

जल्द भव्य और आकर्षक रूप लेगा अलीगढ़ का ऐतिहासिक गांधी पार्क- राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित होगा आधुनिक गांधी पार्क

भारत संवाद

4 करोड़ 13 लाख 57 हजार की लागत से बदलेगी गांधी पार्क की सूरतेहाल - महापौर के प्रयासों से ऐतिहासिक गांधी पार्क के जीर्णोद्धार का काम होगा जल्द शुरू नगर निगम ने फर्म को दिया कार्यादेश

महापौर व नगर आयुक्त का वादा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित आधुनिक गांधी पार्क शहर वासियों के लिए बनेगा नया पिकनिक स्पॉट व योग स्थल-युद्धस्तर पर होगा निर्माण अगले साल 2026 तक निर्माण कार्य पूरा करने का रखा लक्ष्य नई पहचान- लॉक म्यूजियम के बाद शहर के चौमुखी विकास को नए नगर आयुक्त ने दी रफ्तार- दो बड़े प्रोजेक्ट के शुरू होने से अलीगढ़ को मिलेगी नई पहचान- लॉक म्यूजियम के बाद आधुनिक गांधी पार्क प्रोजेक्ट से विकास को मिलेगी तेज रफ्तार अलीगढ़ के ऐतिहासिक गांधी पार्क आने वाले दिनों में नए रूप में दिखाई देने जा रहा है और जल्द गांधी पार्क की सूरतेहाल भी बदलने जा रही है। नगर निगम ने अलीगढ़ के इस ऐतिहासिक पार्क को महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित थीम पर डेवलप कराए जाने के विभागीय प्रक्रिया को बड़ी तेजी से पूर्ण करते हुए संबंधित फर्म मैसर्स आरके एंटरप्राइजेज को कार्यादेश निर्गत करते हुए अगले साल 2026 की शुरुआत में इसके निर्माण कार्य को पूर्ण करने का लक्ष्य भी निर्धारित कर दिया है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अंतर्गत लगभग 4 करोड़ 13 लाख 57 हजार की लागत से गांधी पार्क को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन व उनके पदचिन्हों पर आधारित थीम पर डेवलप करने के प्रस्ताव को शासन को भेजा गया था। प्रोजेक्ट की महत्ता को देखते हुए शासन की स्वीकृति उपरांत निर्माण विभाग ने तेजी से काम करते हुए रिकॉर्ड अवधि में टेंडर प्रक्रिया पूर्ण की और संबंधित एजेंसी मैसर्स आरके एंटरप्राइजेज को तत्काल निर्माण कार्य शुरू कराए जाने के लिए कार्यादेश भी दिया गया

आंगनबाडी कार्यकत्रियों ने मांगों को लेकर दिया धरना

भारत संवाद

सहारनपुर। अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी महासभा से जुड़ी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने आज महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी को फोटो कैप्चर एवं लाभार्थियों के केवाईसी करने में होने वाली परेशानियों को दूर करने की मांग करते हुए आज प्रदर्शन का धरना दिया और इस संबंध में एक ज्ञापन भी दिया। आज आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने हकीकत नगर फिर रामलीला मैदान पर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने फोटो कैप्चर एवं लाभार्थियों की केवाईसी में आ रही दिक्कतों समाधान न होने पर अपना विरोध व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को देते हुए कहा कि महिला एवं बाल विकास भारत सरकार के आदेशानुसार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को यह निर्देशित किया गया है कि वह पोषाहार वितरण हेतु लाभार्थियों के फोटो कैप्चर एवं उनकी केवाईसी स्वयं करें जिस लाभार्थी के परिजन का फोटो कैप्चर किया जाएगा पोषाहार केवल उसी व्यक्ति या महिला को दिया जाएगा जबकि गांव देहात में अधिकांश लाभार्थियों के अलग-अलग परिजन पोषाहार लेने केंद्रों पर आते हैं ऐसी स्थिति में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए फोटो कैप्चर एवं लाभार्थियों की केवाईसी करना संभव हो रहा है क्योंकि विभाग द्वारा जो फोन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को वितरित किए गए हैं वह 2जी फोन है और वह फोन उस ऐप को खोल ही नहीं रहा है दूसरी तरफ हमारे अधिकांश आंगनवाड़ी इतनी ज्याव शिक्षित भी नहीं है उनके लिए फोन पर काम करना असंभव हो रहा है और विभाग रोजाना नए-नए आदेशों के जरिए उन पर काम का बोझ बढ़ाता जा रहा है जो का जन सेवा केंद्र के माध्यम से होना चाहिए या महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा कराया जाना चाहिए वह काम भी आंगन कार्यकत्रियों से करने के लिए नाजायज दबाव डाले जा रहे हैं अधिकांश आंगन डिप्रेशन का शिकार हो गए हैं ऐसी स्थिति में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिए करना बड़ा कठिन हो गया है दूसरी तरफ मोबाइल डाटा का पैसा भी आंग कार्यकत्रियों को नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मांग करते कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्री फोटो कैप्चर एवं केवाईसी करने में पूरी तरह से असमर्थ है। उन्होंने मांग करते हुए कहा की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय में वृद्धि की जाए और सभी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए उनका निस्तारण किया जाए।

इस दौरान पूनम शर्मा गुलशन खान शाहिद गुलशन अंसारी कोमल गीत पुष्पा रीत अनीता राकेश बबीता अनुराधा मधु गीत अनीता डोली ओमवती पूनम देवी किरण सैनी राजवती रविता गीत संजीता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रही।

फास्ट ट्रैक

योग की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला

भारत संवाद

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति मान्य आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा स्रोत तथा कुलपति प्रोफेसर विमला की अध्यक्षता में आयोजित हो रही योग महोत्सव जो कि 21 मई से 21 जून तक आयोजित हो रहा है, के उपलक्ष में आज 24 में दिन जेवी जैन कॉलेज सहारनपुर लगभग 950 उपस्थित लोगों के बीच में प्रोग्राम आयोजित हुआ। प्रोग्राम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी सिद्धार्थ शंकर त्रिपाठी ने सरस्वती जी की प्रतिमा पर फूल अर्पित कर किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में मेरठ प्रांत के क्रीडा भारती के प्रांत संयोजक उमेश कुमार भी मां सरस्वती की प्रतिमा पर फूल अर्पित किए। इस अवसर पर कॉलेज के कार्यवाहक प्राचार्य प्रोफेसर हरिओम गुप्ता ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र पहनकर तथा तुलसी का पौधा भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री त्रिपाठी ने योग के यम तथा नियम के बारे में विस्तार रूप से बच्चों को बताया इस दौरान योगाचार्य आचार्य भीम ने सभी बच्चों को एवं उपस्थित लोगों को विभिन्न मुद्राओं के आसान तथा प्राणायाम के बारे में जानकारी दी की प्राणायाम कई प्रकार के होते हैं जिससे हमारी सांसों को नियंत्रण और शरीर को एकाग्रचित करने में मदद मिलती है योग के आसन इत्यादि के उपरांत एक योग से संबंधित एक क्रीडा भी कराई गई जिसमें प्रशिक्षित योग खिलाड़ियों ने विभिन्न मुद्राओं में अपने आसन प्रस्तुत किया जिसे देखकर उपस्थित लोगों ने दांतों तले उंगली दबा ली और उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के दौरान प्रोफेसर धर्मेंद्र कुमार सुश्री प्राची जैन सचिन कुमार नारायण शर्मा मनीष कुमार सुश्री यशिका गुप्ता श्रीमती सुषमा प्रदीप जैन शिव जैन श्रीमती चिंतन राकेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन कर रहे प्रोफेसर संदीप गुप्ता जो कि विश्वविद्यालय के नोडल ऑफ अधिकारी भी है इस पूरे योग महोत्सव के उन्होंने विश्वविद्यालय की तरफ से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने बड़े समूह जिसमें की लगभग 1000 लोग शामिल हो उसे व्यवस्थित रूप से करना एक अच्छा योगाचार्य ही कर सकता है इसके लिए उन्होंने योगाचार्य आचार्य भी का हृदय से धन्यवाद भी दिया।

15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

भारत संवाद

सहारनपुर। उ0प्र0 माटीकला बोर्ड सहारनपुर द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रो में मिट्टी के व्यवसाय से जुडे कामगारो को परम्परागत तकनीक के स्थान पर विभिन्न प्रकार के उपयोगी आधुनिक उपकरणों से परिचय कराने के साथ-साथ उन्हे संचालित करने की तकनीक का प्रशिक्षण दिये जाने हेतु माटीकला कौशल विकास योजना के अंतर्गत 15 दिवसीय शिल्पकारी प्रशिक्षण मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, नजीबाबाद जनपद-बिजनौर द्वारा निःशुल्क प्रदान किया जायेगा। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि माटीकला से जुडे व्यवसाय में प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक नवयुवक एवं नवयुवतियाँ अपना आवेदन उ0प्र0 माटीकला बोर्ड के पोर्टल पर 25 जून 2025 तक ऑनलाइन करते हुए हार्डकॉपी कार्यालय में जमा कराएं। आवेदकों को मण्डलीय ग्रामोद्योग प्रशिक्षण केन्द्र, नजीबाबाद, बिजनौर में 15 दिन उपस्थित रहकर प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण केन्द्र में आने-जाने का व्यय प्रशिक्षण सत्र के अन्तिम दिवस पर छात्रवृत्ति के रूप में 250 रुपए प्रतिदिन के अनुसार 3750 रुपए प्रशिक्षार्थी के बैंक खाते में आर0टी0जी0एस0 अथवा एन0ई0एफ0टी0 प्रक्रिया के माध्यम से स्थानान्तरित किया जायेगा। प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षण केन्द्र पर ठहरने, चाय, नाश्ता, भोजन की निःशुल्क व्यवस्था केन्द्र प्रभारी द्वारा की जायेगी।

घर-घर अलख जगाएंगे, बाल श्रम को मिटाएंगे इगलास ब्लॉक में विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ जनपद के इगलास ब्लॉक में विज्ञान फाउंडेशन द्वारा B.M.Z. व T.D.H. के सहयोग से संचालित जेंडर समानता एवं हिंसा की रोकथाम परियोजना के अंतर्गत 12 जून 2025 को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम मोहकमपुर में ग्राम प्रधान श्री शिवशंकर जी द्वारा की गई। बाल श्रम के खिलाफ जनजागरूकता हेतु घर-घर अलख जगाना है, बाल श्रम को मिटाना है जैसे गगनभेदी नारों के साथ रैली निकाली गई। बच्चों और समुदाय के लोगों ने मिलकर हमें करनी है पढ़ाई, हमसे मत कराओ कमाई के नारों के जरिए लोगों को बाल श्रम के दुष्परिणामों से अवगत कराया रैली के साथ-साथ बाल श्रम को ना, बाल शिक्षा को हां अभियान के तहत हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया। साथ ही विचार गोष्ठियों का आयोजन पूरना, जवार, कजरौठ, सहारा खुर्द, बेसवां किला, करथला, मोहकमपुर, काण्डली, सतलौनी कला, ब्यौही, तोछीगढ़ जैसे गांवों में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री अरुण शर्मा ने कहा कि बच्चों का भविष्य तभी उज्ज्वल हो सकता है जब ग्राम स्तर पर बाल संरक्षण समितियां मजबूत हों। वहीं, श्री रवि शर्मा ने बाल श्रम को कानूनी और नैतिक अपराध बताते हुए कहा, बच्चों से मजदूरी कराना उनके संवैधानिक अधिकार का हनन है। बच्चों के हाथों में किताब और कलम होनी चाहिए, न कि औजार। इस अवसर पर ग्राम प्रधान, सीएचओ, ग्राम सदस्य, व अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में गौरी पराशर, सुनीता देवी, रूपा कौर, हीरा शर्मा, कामिनी, फिरदोश, दामिनी, वंदना शर्मा, नाजिया, निधि भारद्वाज, फिजा, फाहिमा, मुस्कान एवं दिनेश सहित युवा समूह, बाल समूह एवं महिला समूह के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन द्वारा अलीगढ जिला कार्यकारणी का किया गया पुनर्गठन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन द्वारा कृषि निदेर्शालय लखनऊ स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान अलीगढ़ की जिला कार्यकारिणी के संगठनात्मक ढांचे का पुनर्गठन किया गया। जिला अलीगढ कार्यकारिणी का पुनर्गठन करते हुए संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने बताया कि प्रदीप चौहान को प्रतिनिधि प्रांतीय अध्यक्ष एवं अलीगढ़ के जिला अध्यक्ष, प्रवीण शर्मा को उपाध्यक्ष, हरीश कुमार को संगठन मंत्री के पद पर मनोनीत करते हुए सभी को प्रदेश समेत अलीगढ जिले में संगठन को मजबूत करने का कार्य दिया गया है। उन्होंने कहा कि उनका संगठन 12 सूत्रीय मांगो पर कार्य कर रहा है। अलीगढ़ जिला इकाई का पुनर्गठन होने से संगठन को और मजबूती मिलेगी। उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन के प्रतिनिधि प्रांतीय अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष अलीगढ़ बने जिला कृषि रक्षा अधिकारी के वरिष्ठ सहायक प्रदीप चौहान ने कहा कि वह कार्मिकों के हित के लिए कार्य करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि वह जिले में एसोसिएशन को मजबूती प्रदान करने के लिए धरातल पर कार्य करेंगे। उन्होंने जिले के सभी विभागों में कार्यरत कार्मिकों से आव्हान किया कि वह उत्तर प्रदेश फेडरेशन आफ मिनिस्टीरियल सर्विसेज एसोसिएशन से जुड़ें ताकि शासन के समक्ष कार्मिकों के हितों को और मजबूती से रखा जा सके। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष समेत उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा एवं संगठन मंत्री हरीश कुमार का अन्य जिला कार्यकारिणी सदस्यों एवं विभिन्न साधु-संतों ने कार्यालय में आकर हार्दिक शुभकामनाएं एवं स्नेह आशीर्वाद दिया गया।

सोशल मीडिया के समय मे बेटियाँ

डॉ० राघवेन्द्र कुमार त्रिपाठी राघव, हरदोई

आज के इस आधुनिक समय में, जब हम बेटियों को आगे बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने की बात करते हैं, तो हमें यह भी समझना होगा कि कहीं न कहीं हम उन्हें गलत दिशा में तो नहीं ले जा रहे हैं? क्या हम उन्हें सही मायने में सशक्त बना पा रहे हैं या फिर हम उन्हें एक ऐसे रास्ते पर ले जा रहे हैं जो उनके और समाज के लिए हानिकारक हो सकता है?

समस्या की जड़ यह है कि हम बेटियों को आजादी तो देना चाहते हैं, लेकिन ज़िम्मेदारी नहीं सिखाते। हम उन्हें आकाश देना चाहते हैं, लेकिन पंख देने से पहले चरित्र की जड़ें मजबूत नहीं करते। इसका नतीजा यह होता है कि बेटियाँ अपने फैसले खुद लेने की क्षमता तो विकसित कर लेती हैं, लेकिन उन फैसलों के परिणामों को समझने की क्षमता विकसित नहीं कर पातीं।

सोशल मीडिया ने इस समस्या को और भी बढ़ावा दिया है। बेटियां सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें और वीडियो साझा करती हैं और उन्हें लाइक और कमेंट्स मिलते हैं। इससे उन्हें एक तरह की प्रसिद्धि और आत्मसंतुष्टि मिलती है, लेकिन इससे उनके चरित्र और संस्कारों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सोशल मीडिया पर बेटियों को अक्सर गलत आदर्शों के सामने पेश किया जाता है, जो उन्हें गलत दिशा में ले जा सकता है।

परिवार की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण है। माता-पिता को अपने बच्चों को सही संस्कार और मूल्य देने की जिम्मेदारी है। लेकिन आज के समय में, माता-पिता अपने बच्चों को अधिक से अधिक सुविधाएं देने की कोशिश में लगे रहते हैं, लेकिन उन्हें सही संस्कार और मूल्य देने की ओर ध्यान नहीं देते। इसका नतीजा यह होता है कि बच्चे गलत रास्ते पर चले जाते हैं और उनके जीवन में समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

समाधान यह है कि हमें बेटियों को सिर्फ उड़ान नहीं देनी है, बल्कि उन्हें दिशा भी देनी है। हमें उन्हें संस्कार और चरित्र की जड़ें मजबूत करनी हैं। हमें उन्हें सिखाना है कि शादी एक पवित्र बंधन है, न कि एक सौदेबाजी। हमें उन्हें सिखाना है कि पति एक जीवनसाथी है, न कि एक दुश्मन। हमें उन्हें सिखाना है कि जीवन में ज़िम्मेदारी और अनुशासन कितना महत्वपूर्ण है।

सबसे बड़ा पुण्य है प्यासे को पानी पिलाना है: महापौर

सहारनपुर रू भीषण गर्मी में जब पारा 45 के पार जा पहुंचा है। ऐसे में यंग तिरंगा क्लब की ओर से मिगलानी बिल्डिंग पुल के पास राहगीरों के लिए ठंडे मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस नेक कार्य का शुभारंभ नगर के मेयर डॉ. अजय कुमार सिंह और पार्षद व नगर कार्यकारिणी सदस्य मंसूर बदर, पार्षद सईद सिद्दीकी, पार्षद इजहार मंसूरी ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।

फैसल सलमानी को बडी जिम्मेदारी, कार्यालय प्रभारी मनोनीत

सहारनपुर। समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार नए चेहरों को संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ सौंप रही है। इसी क्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने सहारनपुर के सक्रिय कार्यकर्ता फैसल सलमानी को जनपद सहारनपुर का कार्यालय प्रभारी नामित किया है। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी मनोनयन पत्र के अनुसार फैसल सलमानी को सहारनपुर को संगठन की मजबूती हेतु यह अहम दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति समाजवादी पार्टी की युवा सोच और जमीनी कार्यकताओं को संगठन में तरजीह देने की नीति को दशार्ती है। फैसल सलमानी की कार्यशैली और जनसमस्याओं को लेकर उनकी सक्रिय भागीदारी को देखते हुए यह मनोनयन पार्टी के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धिपत्र सं. 2520252026
दिनांकः 10.06.2025

कैंसिल सूचना

विषयः- निविदा सूचना सं. 2520252026- **निविदा संख्या-**88 दिनांक **27.05.2025** कर कैंसिल पत्र।
उपरोक्त निविदा सूचना में निम्नलिखित संशोधन किया जाता हैः
निविदा सूचना संख्याः 2520252026, **निविदा संख्याः** 88, **संदर्भः** अपरिहार्य कारणों से निविदा निरस्त की जाती है।
928/25 FA

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या-230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2025/565 **दिनांक : 11.06.2025**

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/स्पे0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा सं0 : 230-क0वि0-कार्य ठेका-956-2025	**विज्ञापित मूल्य : रू 10051706.50**
कार्य का विवरण : प्रयागराज मंडल में घिसे संपर्क तार को हटाकर मौजूदा ओएचई में सुधार का कार्य।	
बिड सुरक्षा राशि : रू 2,00,300/-	**कार्य अवधि : 18 महीना**
बोली प्रणाली : एक पैकेट	**निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 03.07.2025, 14:00 बजे**
निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 03.07.2025, 15:00 बजे	

नोट : 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) बेवसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। **2.** उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए **IREPS** की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **1023/25 (C)**

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

प्रयागराज जं.-लालकुआँ जं. साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है :–

गाड़ी संख्या 04117/04118 प्रयागराज जं.-लालकुआँ जं.-प्रयागराज जं. साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी

04117 प्रयागराज जं.-लालकुआँ जं.			04118 लालकुआँ जं.-प्रयागराज जं.	
आगमन	प्रस्थान	↓ स्टेशन ↑	आगमन	प्रस्थान
(गुरू)	23:30	प्रयागराज जं.	04:30	(शनि)
(शुक्र) 00:58	01:00	फतेहपुर	(शनि) 00:58	01:00
03:30	03:35	कानपुर सेंट्रल	23:35	23:40
04:48	04:50	कन्नौज	22:10	22:12
05:55	06:00	फर्रूखाबाद जं.	21:05	21:10
07:30	08:00	कासगंज जं.	19:10	19:40
08:50	08:55	बदायूँ	18:05	18:10
09:50	09:55	बरेली जं.	17:15	17:20
10:10	10:15	बरेली सिटी	16:55	17:00
10:30	10:35	इज़्ज़तनगर	16:25	16:30
11:23	11:25	बहेड़ी	15:35	15:40
11:40	11:42	किच्छा	15:15	15:17
12:45	(शुक्र)	लालकुआँ जं.	(शुक्र)	14:50

प्रयागराज जं. से गाड़ी संख्या 04117, दिनांक 19.06.2025 से 31.07.2025 (प्रत्येक गुरूवार). **लालकुआँ जं.** से गाड़ी संख्या 04118, दिनांक 20.06.2025 से 01.08.2025 (प्रत्येक शुक्रवार)

गाड़ी संरचनाः सामान्य श्रेणी–04, स्लीपर श्रेणी–05, वातानूकुलित तृतीय श्रेणी इकॉनामी–02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–02, वातानूकुलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी–01

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile Aap या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR **1038/25(MG)**

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः एस/सेल/611/ई-नी.का./25-26 **दिनांकः** 11.06.2025

ई-नीलामी कार्यक्रम, सूचना संख्या- 04 जुलाई माह-2025

अवगत कराया जाता है कि उत्तर मध्य रेलवे के विभिन्न मण्डलों तथा डिपो में उपलब्ध स्क्रैप का विक्रय ई-नीलामी के माध्यम से सम्पन्न किया जायेगा तथा सभी आयोजक अपने निर्धारित क्षेत्र के स्क्रैप का निस्तारण करेंगे।

रद्दी मदें: पी.वे. व स्क्रैप रेल, कास्ट आइरन स्क्रैप, कन्डम रोलिंग स्टाक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटालिक स्क्रैप, टर्निंग और बोरिंग, कन्डम आयल/पेंट्स ड्रम्स, कन्डम मशीनरी एवं प्लान्ट, कन्डम व्हेकिल्स, कन्डम आफिस इक्विपमेंट्स, फाउन्ड्री स्लैग रिलीज ओवर हेड एम.एस./जी.आई. टेंक्स, ट्रेन लाइटिंग पंखों का रिलीज्ड फेरस स्क्रैप, रिलीज्ड एम.एस./जी.आई. पाइप लाइन, फाउन्ड्री स्कल वर्कशाप एम.एस. स्क्रैप और अन्य एम.एस. स्क्रैप मदें।

क्रमांक	ई-नीलामी की तिथि व दिन		डिपो/मण्डल	नीलामी के आयोजक	माध्यम
1.	02.07.2025	बुधवार	सा.भ.डिपो/झाँसी	उप मु.सा.प्रबं./प्रणाली/झाँसी	www.ireps.gov.in वेबसाइट द्वारा
2.	09.07.2025	बुधवार			
3.	17.07.2025	गुरूवार			
4.	24.07.2025	गुरूवार			
5.	08.07.2025	मंगलवार	सा.भ.डिपो/कानपुर	उप मु.सा.प्रबं./जी.एस.डी./कानपुर	
6.	23.07.2025	बुधवार			
7.	04.07.2025	शुक्रवार	प्रयागराज मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./प्रयागराज	
8.	18.07.2025	शुक्रवार			
9.	30.07.2025	बुधवार			
10.	10.07.2025	गुरूवार	झाँसी मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./झाँसी	
11.	16.07.2025	बुधवार			
12.	23.07.2025	बुधवार			
13.	03.07.2025	गुरूवार	आगरा मण्डल	व.म.सा.प्रबं./उ.म.रे./आगरा	
14.	14.07.2025	सोमवार			
15.	29.07.2025	मंगलवार			

विशेष शर्तें: (1) सभी प्रकार की रद्दी मदों की नीलामियाँ ई-नीलामी के माध्यम से **'www.ireps.gov.in'** वेबसाइट द्वारा सम्पन्न की जायेंगी। यदि उसी दिन निर्धारित कैलेन्डर दिवस में नीलामी पूर्ण नहीं हो पाती है तो नीलामी अगले कैलेन्डर दिवस में भी जारी रहेगी। **(2) ई-नीलामी द्वारा जो लाट बेंचे नहीं जा सके, उन्हें डिपो द्वारा अगले ई-नीलामी में सम्मिलित किया जाएगा। (3)** इच्छुक खरीददार स्क्रैप किये गये सामग्रियों के लाटों का निरीक्षण नीलामी से पहले कार्य दिवसों में नामित स्थल पर कर सकते हैं। **(4)** यदि बिक्री की गई सामग्री की कीमत **5 लाख रूपयों** से अधिक है तो ऐसी स्थित में क्रेता को जीएसटी विभाग में पंजीकृत होना आवश्यक है। **(5)** नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी के लिए (जैसे कैटलाग नीलामी की गई मदों की अन्तिम बिक्री दर तथा अन्य सभी विवरण) कृपया हमारे वेबसाइट **'www.ncr.indianrailways.gov.in'** पर देखें। **(6)** ई-नीलामी से सम्बन्धित और अधिक जानकारी **'www.ireps.gov.in'** बेवसाइट से प्राप्त की जा सकती है। **1021/25 (A)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.:- 3320252026 **दिनांक :- 12.06.2025**

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।

ई निविदा सूचना स. : 3320252026-108	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs.1,87,25,637.45
कार्य का नाम : सुबेदारगंजः- रेलगांव कॉलोनी में सड़कों और जल निकासी में सुधार।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 2,43,600.00	**कार्य समापन की अवधि :** 06 माह
कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	
ई निविदा सूचना स. : 3320252026-109	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs. 77,61,502.88
कार्य का नाम : मण्डल अभियन्ता/सम्पदा / प्रयागराज के क्षेत्राधिकार में आने वाली कॉलोनियों और सेवा भवनों की भूमिगत सीवर लाइन और मैनहोल की दो वर्षों तक सफाई।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 1,55,200.00	**कार्य समापन की अवधि :** 24 माह
कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	
ई निविदा सूचना स. : 3320252026-110	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs. 2,33,34,371.00
कार्य का नाम : प्रयागराज-ललितनगर कॉलोनी की सड़कों, जल निकासी व्यवस्था में सुधार।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 2,66,700.00	**कार्य समापन की अवधि :** 06 माह
कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	
ई निविदा सूचना स. : 3320252026-111	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs. 2,81,03,136.73
कार्य का नाम : सूबेदारगंजः- रेलगांव कॉलोनी में टाइप-I और II स्टाफ क्वार्टरों में टाइलयुक्त फर्श और अलमारी का प्रावधान	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 2,90,500.00	**कार्य समापन की अवधि :** 09 माह
कार्य की प्रकृति : कोई भी सिविल इंजीनियरिंग कार्य।	
ई निविदा सूचना स. : 3320252026-112	**अनुमानित लागत (रू. में) :** Rs. 3,05,15,980.82
कार्य का नाम : प्रयागराजः - परित्यक्त कंप्रेसर कक्ष और S&T कक्ष के प्रतिस्थापन पर, सुपरफास्ट वाशिंग लाइन में C&W के लिए नए भवन का प्रावधान एवं SFWL में सुरक्षा कार्य।	
अमानत राशि (रू. में) : Rs. 3,02,600.00	**कार्य समापन की अवधि :** 09 माह
कार्य की प्रकृति : भवन निर्माण।	
निविदा बंद होने की तिथि : 07.07.2025 को 12:00 बजे	

नोट : पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। **1027/25(AS)**

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214, 9935750291, E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

हेल्थ के साथ पाएं वेल्थ

आज आयुर्वेद का जमाना है और लोग अंग्रेजी दवाइयां खाकर ऊब चुके हैं, यही नहीं इन दवाओं के साइड इफेक्ट से लोग हमेशा डरते रहते है। यदि कोई गंभीर बीमारी है तो चेकअप वगैरह कराने में ही दम फूल जाता है।

आम आदमी तो किसी सरकारी हॉस्पिटल की राह देख लेता है, पर अमीर की बात ही कुछ और है, क्यों कि वह हेल्थ इंश्योरेंस के सहारे निजी अस्पतालों में इलाज करा लेता है और उस पर असर नहीं के बराबर पड़ता है।

- आज भागमभाग की जिन्दगी में लोग अपने पुराने आचार-विचार को भूल कर प्रदूषण की दुनिया में जीवन यापन कर रहे हैं। ऐसा कोई घर नहीं है, जहां कोई बीमार ना हो , लेकिन ना तो उनके पास व्यायाम का समय है ना खाने न पीने का। ऐसे में बीमारियों का लगना कौन रोक सकता है।
- लोगों में प्रतिरोधक-शक्ति का विकास हो और आदमी में बीमारी से लड़ने की शक्ति जागृत हो तो छोटी-मोटी बीमारियां आदमी के ऊपर अटैक नहीं कर पाएंगी।
- हर रोज नए आयुर्वेदिक नुस्खे बताए जा रहे हैं और उनको मार्केट में डाला जा रहा है।
- डाबर के उत्पाद बाजार में छाए है बैद्यनाथ, झंडू और भी जाने कितने ही आयुर्वेद की कम्पनी जैसे रामदेव, आसाराम, सुदर्शन महाराज, महर्षि आयुर्वेद काम कर रही हैं।

फायदेमंद नुस्खा

शुगर के मरीजों को अक्सर काफी परेशानियों का सामना करना होता है। जरा से कोई बताए कि फलां औषधि फायदेमंद है, वे या उनके परिजन तुरंत ट्राई करने में लग जाते हैं। लेकिन रिस्क भी काफी रहती है।

- आइए जानते हैं एक नुस्खे के बारे में जो शुगर के मरीजों के लिए फायदेमंद है।
- पनीर डोडा नाम की जड़ी-बूटी आपको अत्तार के दुकान पर आसानी से मिल जाएगी। आधे गिलास पानी में इसके 8-10 फल रात को पानी में भिगो दीजिये। सुबह होते ही इनको मसल के छान लें, अब जो पानी बचा है, उसको सुबह निन्हें मुंह यानी खाली पेट पी लें, एक हफ्ते में आपको लगने लगेगा कि आपका शुगर लेवल काम हो रहा है। यदि आप चाहे तो दो टाइम भी ले सकते हैं, साथ ही सुबह और शाम टहलना जारी रखें ।
- खाना ना पचने वालों के लिए भी एक उपाय है। की वह भोजन के दौरान पानी कम पीएं और खाना खाने के बाद दो घंटे बाद कम से कम एक लीटर पानी पीने की आदत डालें।
- यदि आप चाहते हैं कि आपको पथरी की शिकायत ना हो तो आपको चाहिए की खाना खाने के बाद निश्चित रूप से मूत्र विसर्जन करने की आदत डालें।

एलोविरा

आयुर्वेद की दवाइयां काफी प्रचलित हो रही हैं। आपने एलोविरा का नाम तो सुना ही होगा। यदि एलोविरा का बना कोई भी उत्पाद लें तो उसके लाभकारी परिणाम सामने आएंगे?

हर तरह से है लाभकारी

यदि आप एलोवेरा का प्रयोग शुरू करते हैं तो लाभ निश्चित है। कोई भी इसके फायदे को नकार नहीं सकता है।

- एलोविरा जेल के उपयोग से बहुत- सी असाध्य बीमारियां ठीकहोती हैं।

आयुर्वेद में कहां से आया वेल्थ

बाजार में बहुत सी आयुर्वेदिक कम्पनी सक्रिय हैं, जिनके उत्पाद सिर्फ अपने सदस्यों को ही देती हैं। साथ ही उस पर इंसेंटिव भी देती है। इनको नेटवर्क से जोड़कर वे लोगों की औसत आमदनी का जरिया बना रही हैं। यदि कोई इनसे जुड़ना चाहता है तो जुड़ भी सकता है। इसका लाभ यह होता है कि इससे किसी लाइलाज बीमारी का इलाज संभव हो जाता है साथ ही दुआएं भी मिलती हैं।

- एक साइट है फॉरएवरलिविंग.कॉम इस पर जाकर इनके प्रॉडक्ट को देखा जा सकता है और किसी के माध्यम से जुड़ सकते हैं।
- यह संस्था दावा करती है कि गठिया, दमा, हृदय रोग, पाचन समस्या, किडनी समस्या, मोटापा एवं त्वचा संबंधी रोग का निदान संभव है।
- नियमित खान-पान और निश्चित व्यायाम आपके शरीर को निरोगी बना सकता है, पर समय देना आपके ऊपर है। ऐसे में आपको निर्णय लेना है कि आप धन देकर सेहतमंद रहना चाहते हैं या नियमित दिनचर्या से।
- शरीर आपका है और आप ही इसकी रखवाले हैं तो निरोगी काया रहेगी तो माया तो कमा ही सकते हैं।

खुशियों का खजाना आपके ही पास है

आइए इस बात को थोड़ा और आसान ढंग से समझते हैं। याद कीजिए कि पिछली बार कब आपने अपने शरीर और आत्मचेतना को तनावमुक्त और गैर बोझिल महसूस किया था। उस मनोदशा की विशिष्ट ऊर्जा ने आपको अपने काम में अच्छा प्रदर्शन करने, लोगों के साथ गहराई से जुड़ने, काम में खुलकर रचनात्मकता की अभिव्यक्ति करने, रेंगते हुए ट्रैफिक में मुस्कराने, जाम के खुलने का मुस्कराते हुए इंतजार करने और घर लौटकर परिवार के साथ प्यार के पलों को बांटने के लिए प्रेरित किया होगा। कल्पना कीजिए इसी खुशी की फसल अगर आप हर दिन काट सकें, तो कितना अच्छा हो? अगर आप अपना ध्यान पूरी तरह से केन्द्रित करें, तो सच्ची प्रसन्नता को हासिल करना कोई मुश्किल काम नहीं है।

मालीक्युलर बॉयोलॉजिस्ट से बौद्ध भिक्षु बने मैथ्यू रिकार्ड ने शताब्दियों पुराने बौद्ध दर्शन के बौद्धिक संदेशों को आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के निष्कर्षों के साथ जोड़ने का सार्थक प्रयास किया है। उनकी सोच के अनुसार खुश रहना मात्र एक सुखद अहसास, एक सुंदर भाव या एक अच्छे मूड से ही संबंधित नहीं है, बल्कि ये आपका बुनियादी सुखद अस्तित्व है। यह संसार की व्याख्या करने का एक तरीका है। संसार को बदलना मुश्किल होगा, पर संसार को देखने के नजरिए को बदलना तो संभव है।

निश्चित तरीका नहीं

यह सच है कि खुशी पाने का कोई एक निश्चित तरीका या फार्मूला नहीं है। इसलिए वही तरीका या ढंग अपनाएं, जो आपके लिए उपयुक्त हो। इस संदर्भ में आपको अपने ही अंदर खुशी का खजाना खोजने का दृढ़ संकल्प लेना होगा। आपको कुछ ऐसी आदतों को अपनाना होगा, जिनका पालन शताब्दियों से प्रबुद्ध लोग करते आए हैं। इन प्रबुद्धजनों की बातों को न्यूरो-साइंटिफिक रिसर्च में भी सही पाया गया है।

ध्यान लगाएं

खुश और शांत रहने के लिए मेडिटेशन से अधिक कोई भी अन्य तरीका काम नहीं करेगा। आंखें बंदकर अपना पूरा ध्यान सांस पर केन्द्रित करें। कल्पना कीजिए कि आप अपने शरीर-रूपी मंदिर में प्रवेश कर रहे हैं। शांति की भावना को महसूस करें। प्रारंभ में इस विधि को पांच मिनट तक करें और अभ्यास होने के साथ ही समय बढ़ाती जाएं। मेडिटेशन के लिए ऐसी जगह चुनें, जहां कोई आपको बाधा न पहुंचाए।

माफ करें और भूलना सीखें

सकारात्मक सोच और दूसरों को माफ करने के जज्बे पर भरोसा रखें। क्रोध, ईर्ष्या और जलन जैसे नकारात्मक विचारों से स्वयं को मुक्त रखें, क्योंकि ऐसे विचार हमारे सुख व शांति के अहसास को छीन लेते हैं। दूसरे को माफ करना खुशियां पाने का सशक्त माध्यम है।

न दें अनुचित सुविधाएं

अक्सर लाड़-प्यार के चलते, कई माता-पिता अपने कम उम्र के बच्चों का ड्राइविंग लाइसेंस बनवा देते हैं और कई बार अपनी गन-रिवॉल्वर उनकी पहुंच के अन्दर रखते हैं। इस असावधानी के कारण आए दिन अनेक दुर्घटनाएं घटती हैं और हादसे के शिकार व्यक्तियों का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है।

- जब हम स्वयं के साथ शान्ति अनुभव नहीं करते तो हम मानसिक एवम् भावात्मक व्याधियों से ग्रस्त हो जाते है। आक्रामक एवं हिंसात्मक विचार हमारी सोच को नकारात्मक बना देते हैं तथा हमारा हृदय क्रोध, द्वेष और ईर्ष्या से भर उठता है।
- टेलीविजन तथा अन्य संस्थाओं द्वारा बच्चों - वयस्कों के लिए आयोजित रियलिटी शो एवम् अनेक प्रकार की प्रतिस्पर्धाएं अधिकांश प्रतियोगियों की मानसिकता को गलत तरीके से प्रभावित करती हैं।

हम और हमारा स्वास्थ्य

आज वक्त की मांग है कि हम अपने आसपास के वातावरण को साफ-सुथरा रखते हुए स्वयं को स्वस्थ रखें।

- स्वस्थ शरीर, स्वस्थ विचार एवं स्वस्थ बुद्धि का मूर्त रूप ही आरोग्य है। दरअसल, आरोग्य वह अवस्था है, जिसमें हम प्रकृति एवं वातावरण से सामंजस्य स्थापित करते हुए जीवन का आनंद लेते हैं।
- हम वास्तविक रूप से तभी स्वस्थ होते हैं ,जब हम स्वयं को मानसिक, भौतिक, भावात्मक, आध्यात्मिक एवं सामाजिक स्तर पर स्वस्थ अनुभव करते हैं।

जीवनशैली बदलाव कर इलाज का खर्चा बचाएं

अपनी वर्तमान जीवनशैली में उचित बदलाव लाकर हम अपनी दवाइयों का खर्चा कम कर सकते हैं। केवल उचित खान-पान ही नहीं, वरन उचित विचार एवं उचित आचरण द्वारा ही हम निरोग हो सकते हैं ।

- माता-पिता और अभिभावकों को बच्चों को सही आहार और साफ-सफाई से रहने के साथ-साथ एक अच्छा इंसान बनने की भी शिक्षा देनी चाहिए।
- वसायुक्त एवं रेशाहीन आहार तथा शारीरिक श्रम का अभाव डायबिटीस, उच्च रक्तचाप एवं हृदय रोग जैसी बीमारियों के प्रमुख कारण हैं। आज के दौर के पढ़े लिखे माता-पिता भी अपने नन्हे -मुन्नों को पिज्जा और बर्गर खिलाने तथा कोकाकोला आफर करने से गुरेज नहीं करते हैं। इस प्रकार उनका स्वाद फास्ट फूड के लिए विकसित होकर, घर के पौष्टिक खाने को नकारने लगता है।
- अब तो गावों में भी कोकाकोला, चिप्स और ब्रेड का खूब प्रचलन हो गया है। आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम जान बूझ कर रोगों के जाल में फंसते चले जा रहे हैं ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) मानव स्वास्थ्य पर शहरीकरण के प्रभावों को विशिष्ट रूप से दर्शाते हुए शहरों को एक बेहतर रहने लायक जगह बनाने पर जोर देता है।

स्वास्थ्य का रखें ख्याल

- रुपयों की इस अंधी दौड़ में भाग कर हम अपने मानसिक एवम् शारीरिक स्वास्थ्य का सत्यानाश कर रहे हैं। अपनी प्रतिभा का विकास करना अच्छी बात है, परन्तु केवल पैसे कमाने के उद्देश्य से नहीं, हम केवल निर्मल आनंद के लिए अपनी नृत्य, गायन, खेलकूद की रुचियों को विकसित क्यों नहीं करते? आधुनिक युग की चूहा दौड़ हमें एक स्वस्थ इंसान से एक बीमार पशु बना रही है ।
- हाल ही में सिंगापुर में हुए एक स्वास्थ्य सेवा सम्मलेन में विशेषज्ञों ने माना कि एशिया की स्वास्थ्य सेवाएं आधुनिक जीवनशैली की व्याधियों के बोझ तले दबी जा रही हैं।
- स्वाइन-बर्ड फ्लू और तपेदिक जैसे संक्रामक रोगों के साथ -साथ आर्थिक सम्पन्नता से जुड़ी हुई असंक्रामक

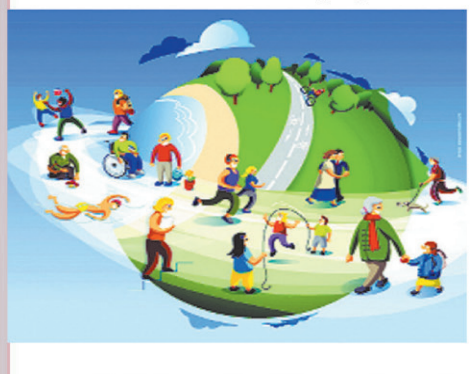

बीमारियों का भार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है।

- तम्बाकू एवम् धूम्रपान का व्यसन भी भारत समेत अन्य देशों में लाखों लोगों की सेहत पर सवालिया निशान लगा रहा है।
- सिगरेट एवं गुटखा निर्माताओं की आक्रामक विज्ञापन तकनीक के आगे, सारे तम्बाकू विरोधी अभियान असफल सिद्ध होते प्रतीत हो रहे हैं। ये कम्पनियां मर्दानगी, आधुनिकता और तनाव-मुक्ति के नाम पर जनता को विष बेच रही हैं और इनके विरुद्ध कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है।
- तम्बाकू सेवन का सीधा सम्बन्ध श्वास एवं फेफड़े की बीमारियों से है। जैसे कि अस्थमा, तपेदिक आदि। क्या ही अच्छा होता यदि हम तम्बाकूयुक्त पानमसाला चबाने के स्थान पर लौंग, इलाइची या सौंफ जैसी गुणकारी वस्तुओं का सेवन करने की बुद्धि रखते।

स्वस्थ मां की स्वस्थ संतान

किसी भी देश का स्वास्थ्य उसके बच्चों के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है और केवल स्वस्थ मां ही एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दे सकती है, परन्तु यह हमारा दुर्भाग्य है कि अधिकांश भारतीय परिवारों में महिलाओं के स्वास्थ्य को वरीयता नहीं दी जाती है।

- पत्नी एवं माता की परम्परागत भूमिका में स्त्री का कर्तव्य परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करना है, न कि स्वयं अपना भारतीय समाज आज के युग में भी लिंग के आधार पर भूमिकाएं निर्धारित करने में विश्वास रखता है।
- लड़कों को अविचारी और उग्रवादी बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा लड़कियों को शर्मीला और सहनशील बनाने का प्रयास होता है। आगे चल कर यही असमानता अपने रंग दिखाना शुरू कर देती है।
- महिलाओं को जीवन पर्यंत भिन्न प्रकार के तिरस्कारों का सामना करना पड़ता है। फिर चाहे वो लिंग आधारित भ्रूण हत्या हो या दहेज न लाने के नाम पर जलाया जाना हो अथवा बलात्कार का शिकार होना हो। जो देश महिलाओं का सम्मान करना नहीं जानता, वह वास्तव में एक रोगी देश है।

बनें जिम्मेदार नागरिक

जिम्मेदार नागरिकों की हैसियत से हमें अपने रहने के स्थानों में उपवन संस्कृति को फिर से वापस लाना होगा, ताकि खुली हवा में सांस लेते हुए, हम शारीरिक व्यायाम के लाभ उठा सकें। स्कूल, कॉलेजों में खेलकूद और योगाभ्यास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। मोटर बाइक और कार के स्थान पर युवक -युवतियों में साइकिल चलाना एक आधुनिक फैशन के रूप में विकसित करना होगा ।

टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा

समाज में ऐसे सुधार लाने की आवश्यकता है, जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं न केवल टीकाकरण और स्वच्छता को बढ़ावा दें, वरन जन मानस को संतुलित आहार, स्वस्थ जीवन शैली और नैतिक मूल्यों की भी शिक्षा भी प्रदान करें। यदि हमारे मन में शान्ति, प्रेम, अहिंसा के भाव होंगे तथा हम अमीरी के भड़कीले दिखावे से दूर रहेंगे, तो वास्तव में हमारा जीवन रोगमुक्त हो सकेगा। स्वस्थ रहने के लिए प्रसन्न रहना आवश्यक है और प्रसन्नता तभी मिलेगी, जब हम द्वेष के स्थान पर आनंद बांटे, तभी गांव-गांव और शहर- शहर में एक स्वस्थ और खुशहाल वातावरण बन पाएगा।

कनाडा मंदिर अध्यक्ष प्रॉपर्टी फायरिंग केस

लॉरेंस गैंग ने ली जिम्मेदारी, लिखा-बाप-बेटे ने लोगों को नाजायज तंग किया, ये ट्रेलर था, पिक्चर अभी बाकी

एजेंसी

जालंधर, कनाडा में लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष और कारोबारी सतीश कुमार की प्रॉपर्टी पर हुई गोलीबारी की जिम्मेदारी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने ली है। खास बात ये है कि इस बार जिम्मेदारी लेते हुए गोल्डी बराड़ और गोदारा का नाम नहीं आया, जबकि नए गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों और अर्जु बिश्नोई उनके गिरोह से जुड़े हुए नजर आ रहे हैं। गैंग ने दावा किया कि यह हमला गोल्डी ढिल्लों द्वारा करवाए जाने का दावा किया गया था। घटना से पहले सतीश कुमार से लगभग 20 लाख डॉलर की फिरौती मांगी गई थी, लेकिन उनके इनकार पर 48 घंटे के भीतर उनके दो स्थानों पर गोलियां चलाई गईं। सरी पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों के नाम से एक पेज से पोस्ट की गई, जिसमें लॉरेंस गैंग के नाम से जिम्मेदारी ली गई। जिसमें कहा गया कि सत श्री अकाल, राम राम सारे भाइयों को लॉरेंस

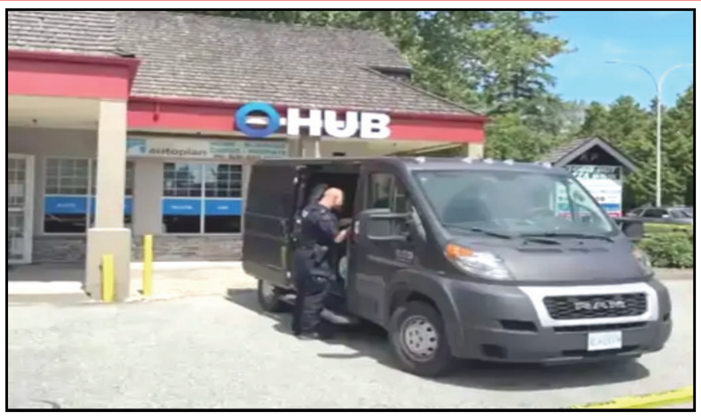

बिश्नोई गैंग की ओर से। कनाडा के ओहब सहित दो जगह पर जो फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी मैं गोल्डी ढिल्लों (लॉरेंस बिश्नोई गैंग) लेता है। हमने आज तक किसी को नाजायज तंग नहीं किया और ना ही आगे करेंगे। हमारी किसी भी धर्म और जाती के साथ दुश्मनी नहीं है। हमारी दुश्मनी सिर्फ सतीश जैसे लोगों के साथ है। पोस्ट में लिखा गया कि इसके जैसे लोगों ने काले कामों में पैसा कमाकर सफेद कॉलर बनकर बैठे हैं। सतीश और उसके बेटे अमन ने अपनी पोस्ट का गलत इस्तेमाल करके लोगों को आपस में लड़वाया और लोगों को बांटने का काम किया। जिसके बाद अब ये लोग लोगों को जोड़ने की बात कर रहे हैं। उन्होंने लोगों में हेट फैलाकर पॉलिटिकल स्टंट किया। ऐसे झूठे व्यक्ति को हम छोड़ेंगे नहीं। आगे कहा लिखा गया कि मंदिर और गुरु घरों से भी पैसे कमाए गए। लोगों के सामने दोनों अपनी इमेज सुधार सकते हैं, मगर हमारे सामने नहीं। ये आखिरी वॉर्निंग है, सुधर जाओ, वरना अंजाम बुरा होगा। साथ ही गैंग ने सतीश के साथ कारोबार न करने की नसीहत दी। अगर कोई इनकी प्रॉपर्टी पर जा रहा था, तो सोच समझ कर जाए, कहीं कोई अपना नुकसान न करवा ले। ये सिर्फ ट्रेलर था, असली मूवी अभी बाकी है। हम नहीं चाहते कि दोनों की वजह से किसी बेकसूर की जान चली जाए। आखिरी में लिखा- जय श्री राम। लॉरेंस गैंग, अंकित भादू शेरावाला, जतिंदर गोगी मान ग्रुप, हाशिम बाबा, काला राणा और अर्जु बिश्नोई। संपत्ति के मालिक व लक्ष्मी नारायण मंदिर के अध्यक्ष सतीश कुमार ने कहा- ये वारदात बीती 7 जून को सुबह करीब ढ़ाई बजे हुई। इससे पहले दो साल पहले दिसंबर माह में भी सतीश कुमार के बेटे के घर पर फायरिंग हुई थी। इस दौरान आरोपियों ने करीब 14 गोलियां चलाई थी। बता दें कि लक्ष्मी नारायण मंदिर कनाडा में हिंदुओं के लिए काफी मान्यता वाला मंदिर माना गया है। ऐसा चौथी बार हुआ है कि लक्ष्मी नारायण मंदिर के किसी पदाधिकारी को बदमाशों द्वारा टारगेट किया गया हो। अब सरी पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ट्रम्प बोले- ईरान ने परमाणु डील नहीं की, इसलिए हमला

इजराइल ने 200 फाइटर जेट से ईरान के 6 न्यूक्लियर-मिलिट्री साइट्स तबाह कीं

एजेंसी

तेहरान/तेल अवीव, इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान पर एयर स्ट्राइक की जिसमें 20 टॉप कमांडर मारे गए हैं। इनमें आर्मी और एयरफोर्स चीफ भी शामिल हैं। इजराइल ने सुबह 200 फाइटर जेट्स से 6 ठिकानों पर हमला किया था। इसमें कई परमाणु ठिकाने और मिलिट्री साइट्स को निशाना बनाया गया। इसके बाद ईरान ने दोपहर में इजराइल पर जवाबी हमला किया और 100 से ज्यादा ड्रोन दागे। इजराइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया है कि उन्होंने सभी ड्रोन मार

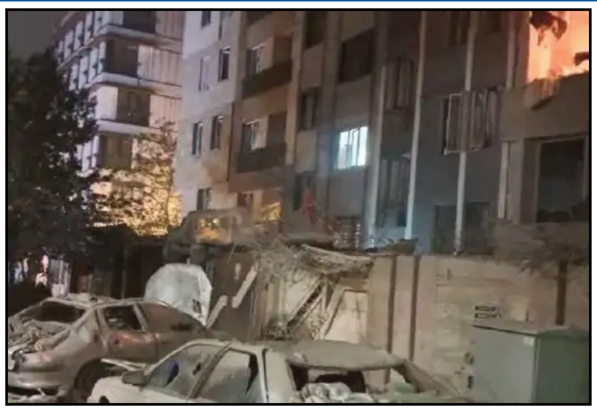

गिराए। अभी तक एक भी ड्रोन इजराइल की सीमा में नहीं पहुंचा। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा कि ईरान परमाणु समझौता कर ले वरना और बड़ा हमला झेलना होगा। ट्रम्प ने कहा कि ईरान ने परमाणु डील नहीं की इसलिए उस पर हमला हुआ। उन्होंने कहा कि सबकुछ खत्म होने से पहले ईरान को यह डील कर लेनी चाहिए। इससे पहले आज सुबह इजराइल ने ईरान पर 200 फाइटर जेट्स से हमला किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने तेहरान के आसपास कम से कम 6 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन 6 में से 4 जगहों पर परमाणु ठिकाने भी मौजूद हैं। ईरान के सरकारी मीडिया ने पुष्टि की है कि इजराइली हमले में इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कमांडर हुसैन सलामी की मौत हो गई है। अल-जजीरा के मुताबिक हमले में ईरान के दो प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक मोहम्मद मेहदी तेहरांची और फरदून अब्बासी भी मारे गए हैं। इजराइल ने यह दावा किया है कि हमले में ईरान के आर्मी चीफ मोहम्मद बाघेरी, सेना के अन्य बड़े अधिकारी और कुछ वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। इस बीच, ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामनेई ने कहा कि हमारी सेना इजराइल को सजा दिए बिना नहीं जाने देगी।

एआई171 दुर्घटना की जांच के लिए दल भेजा गया

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर

हवाई दुर्घटना जांच शाखा (एएआईबी) ने कहा कि उसने भारत में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को अपनी सहायता की औपचारिक रूप से पेशकश की है। स्टॉर्मर ने कहा, जांच जारी है, हमने एक जांच दल भेजा है; उसे तैनात कर दिया गया है।

एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर ने बृहस्पतिवार को कहा कि लंदन आ रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या 171 के अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद हादसे की जांच के तहत ब्रिटेन का एक दल भारत भेजा गया है। इससे कुछ देर पहले असैन्य विमान दुर्घटनाओं और गंभीर घटनाओं की जांच करने वाली एक ब्रिटिश एजेंसी ने कहा कि वह दुर्घटना की भारतीय नेतृत्व वाली जांच में सहयोग के लिए एक बहु-विषयक जांच दल भारत में तैनात करेगी। हवाई दुर्घटना जांच शाखा (एएआईबी) ने कहा कि उसने भारत में विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो को अपनी सहायता की औपचारिक रूप से पेशकश की है। स्टॉर्मर ने कहा, जांच जारी है, हमने एक जांच दल भेजा है; उसे तैनात कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ब्रिटेन के विदेश मंत्री (डेविड लैमी) इस पर काम कर रहे हैं और हम जल्द से जल्द ताजा जानकारी देंगे। हम तथ्यों का पता लगाने के लिए भारतीय अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं। मैं सभी प्रभावित लोगों के परिजनों, दोस्तों से कहूंगा कि कृपया आगे की जानकारी के लिए विदेश कार्यालय से संपर्क करें।

एअर इंडिया के विमान की थाईलैंड में इमरजेंसी लैंडिंग

बम होने की सूचना, फुकेट से दिल्ली आ रहा था; 156 यात्री सवार थे

एजेंसी

बैंकॉक, थाईलैंड के फुकेट इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-379 की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। यहां प्लेन में बम होने की सूचना मिली थी। विमान में 156 लोग सवार थे। फ्लाइट फुकेट से दिल्ली आ रही थी। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फ्लाइट ट्रैकर 'फ्लाइट्रेडर24' के हवाले से बताया कि एअर इंडिया की फ्लाइट ने फुकेट एयरपोर्ट से भारतीय समयानुसार सुबह 9.30 बजे (स्थानीय

समयानुसार दोपहर 2.30 बजे) टेकऑफ किया था। विमान अंडमान सागर के ऊपर एक बड़ा चक्कर लगाते हुए पलटा और करीब 20 मिनट बाद फुकेट में सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिग की। सभी यात्री और क्रू सेफ हैं, किसी को भी कोई नुकसान नहीं हुआ है। नेशन थाईलैंड ने बताया कि बम की धमकी मिलते ही फुकेट एयरपोर्ट ने एयरपोर्ट कंटिन्जेंसी प्लान (एसीपी) एक्टिवेट कर दिया। एयरपोर्ट अफसरों ने कहा कि धमकी को लेकर सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं। ज्यादा जानकारी मिलने पर अपडेट दिया जाएगा। एअर इंडिया का विमान 12 जून को अहमदाबाद में क्रैश हुआ था। इसमें अब तक 265 लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं। इनमें से 241 मृतक विमान में सवार पैसेंजर्स और क्रू मेंबर्स थे। 5 मृतक उस मेडिकल हॉस्टल के हैं, जहां प्लेन क्रैश हुआ था। विमान जिस बीजे मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिरा, वहां 50 से ज्यादा लोग मौजूद थे। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं हुआ है कि हॉस्टल में कितनी मौतें हुई हैं। 4 एमबीबीएस छात्र और एक डॉक्टर की पत्नी के मारे जाने की खबर आ रही है। एअर इंडिया के बोइंग 787 ड्रीमलाइनर फ्लाइट एआई-171 ने गुरुवार दोपहर 1:38 बजे अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरी थी। इसमें 169 भारतीय, 53 ब्रिटिश, 7 पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक समेत कुल 230 यात्री सवार थे। दो मिनट बाद ही फ्लाइट क्रैश हो गई। इनमें 103 पुरुष, 114 महिलाएं, 11 बच्चे और 2 नवजात थे। बाकी 12 क्रू मेंबर्स थे।

मां को टिफिन देने जा रहा था...तभी अचानक धमाका हुआ और..प्लेन क्रैश के बाद तबाही का खौफनाक मंजर

अहमदाबादः गुजरात के अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया के भयानक प्लेन क्रैश ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है. इस हादसे की खबर सुनकर हर कोई सहम गया है.जिस इलाके में एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ, वहां भी कुछ लोगों की जान चली गई. दुर्घटनास्थल पर चाय की केतली चला रहे परिवार का 15 वर्षीय बेटा आकाश भी इस हादसे का शिकार हो गया. अब तक मिली जानकारी के अनुसार आकाश की मौत हो गई हैमां को टिफिन देने गया थाआकाश के परिजनों ने बताया कि, आकाश चाय की केतली पर काम कर रहा था और टिफिन लेकर गया था. भोजन करने के लिए आते समय आकाश चारपाई पर बैठ गया. उसी दौरान अचानक आसमान से आफत बनकर एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. आग की लपटें उठता देख आकाश की मां उसे बचाने भाग कर पहुंची, लेकिन वह भी झुलस गई. मां अपने बच्चे को नहीं बचा पाई. आकाश की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं मां फिलहाल आईसीयू में है.

बोइंग का ड्रीमलाइनर विश्व का सबसे सुरक्षित विमान था, इसके गिरने से पूरी दुनिया सवाल पूछ रही है

एजेंसी

विमानों का विश्लेषण करने वाली कंपनी सिरियम के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 विमान- वीटी-एएनबी- 11.5 वर्ष पुराना था और 41,000 घंटों से अधिक उड़ान भर चुका था। कंपनी ने कहा कि दुनिया भर में बोइंग 787 के 1,148 विमान सेवा में हैं, जिनकी औसत आयु 7.5 वर्ष है।

गुरुवार को अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार 241 लोगों की जान चली गई। यह विमान दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से दुनियाभर में चर्चा का विषय बना हुआ है क्योंकि यह पहली बार है कि सबसे अधिक बिकने वाले बड़े आकार के ड्रीमलाइनर (बोइंग 787) के दुर्घटनाग्रस्त होने से लोगों की जान गई और खुद विमान का ढांचा भी नष्ट हो गया। हम आपको बता दें कि लंबी दूरी की उड़ानों के लिए उपयोगी माने जाने वाले बोइंग के ड्रीमलाइनर विमानों ने 14 वर्ष पहले उड़ान भरी थी और फिलहाल 1,100 से अधिक ऐसे विमानों का संचालन किया जा रहा है। विमानों का विश्लेषण करने वाली कंपनी सिरियम के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त हुआ बोइंग 787-8 विमान- वीटी-एएनबी- 11.5 वर्ष पुराना था और 41,000 घंटों से अधिक उड़ान भर चुका था। कंपनी ने कहा कि दुनिया भर में बोइंग 787 के 1,148 विमान सेवा में हैं, जिनकी औसत आयु 7.5 वर्ष है। सिरियम ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त विमान ने 14 दिसंबर 2013 को अपनी पहली उड़ान भरी थी। यह विमान 28 जनवरी 2014 को एयर इंडिया को सौंपा गया था और यह 11.5 वर्ष पुराना था। सिरियम ने कहा, ₹विमान में 18 बिजनेस क्लास सीट और 238 इकॉनोमी क्लास सीट थीं। यह 41,000 घंटों से अधिक समय उड़ान भर चुका था और लगभग 8,000 बार उड़ान भरी व लैंडिंग की थी। पिछले 12 महीनों में विमान ने 700 बार उड़ान भरी थी। इस विमान के निर्माण वर्ष और आयु के हिसाब से इतनी उड़ान औसत हैं ₹सीरियम के अनुसार, अपने बेड़े और विदेशी नेटवर्क का विस्तार कर रही एअर इंडिया ने 20 अतिरिक्त बी787 विमानों का ऑर्डर दिया है तथा 24 अतिरिक्त विमानों को बदलने के लिए आशय पत्र भी भेजा है। इसके अलावा, हाल ही में इंडिगो ने नॉर्वे की एअरलाइन नॉर्स अटलांटिक से लीज पर लिए गए बी787 का परिचालन शुरू किया है। इंडिगो लंबी दूरी के परिचालन के लिए ऐसे कुल छह विमान पट्टे पर लेने वाली है। हम आपको बता दें कि फिलहाल एअर इंडिया और इंडिगो दो भारतीय एयरलाइंस हैं

प्लेन क्रैश की जांच अब एटीएस और एनआईए के हवाले

सुप्रिया श्रीनेत का पीएम मोदी पर निशाना

कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम नरेंद्र मोदी पर तंज कसा। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए एक्स पर लिखा, इस देश का दुर्भाग्य है, मौत के मंजर में भी फोटो शूट जारी है।

खरगे बोले- 'गलती स्वीकार कर जांच करे सरकार'

एजेंसी

अहमदाबाद। सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद एयर इंडिया की फ्लाइट अक-171 दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस भयावह हादसे में अब तक 297 लोगों की मौत हो चुकी है। इस विमान में सवार 242 में से 241 यात्री और मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में मौजूद 56 लोग शामिल हैं। टेक-ऑफ के बाद विमान बी.जे. मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर नीचे गिर गया, जिसके बाद उसमें जोरदार विस्फोट हुआ। एनआईएकी टीम ने विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक टीम ने शुक्रवार को अहमदाबाद विमान दुर्घटना स्थल का दौरा किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। टीम के साथ अन्य केंद्रीय एजेंसियों के अधिकारी भी थे।

मल्लिकार्जुन खरगे बोले– 'गलती स्वीकार कर जांच करे सरकार'

विमान हादसे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, ₹इस घटना की तत्परता से जांच होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट (रउ) के रिटायर्ड या सिटिंग जज, जो भी उचित हों, उनके नेतृत्व में जांच कराई जानी चाहिए। किसकी गलती है, यह सामने आएगा। इसमें क्या पायलट की गलती है? या फिर क्या इसमें किसी इंस्ट्रक्टर की गलती है? इसके साथ ही यह भी पता चलेगा क्या दबाव में आकर विमान लेके चले? सरकार को गलती स्वीकार करके इसकी जांच करनी चाहिए।

ब्रिटेन, पुर्तगाल और कनाडा के विदेश मंत्रियों के संपर्क में एस जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि वह अहमदाबाद में एअर इंडिया विमान दुर्घटना के संबंध में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी और अपने कनाडाई तथा पुर्तगाली समकक्षों के संपर्क में हैं। बृहस्पतिवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान में 169 भारतीयों के अलावा 53 ब्रिटिश, एक कनाडाई और सात पुर्तगाली नागरिक सवार थे।

मद्रासी कैंप तोड़ने से विस्थापित तमिल परिवारों के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने दिल्ली सीएम को लिखा पत्र

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने रेखा गुप्ता को पत्र लिखकर कहा कि मद्रासी कैंप के ध्वस्त होने से 370 तमिल परिवार बेघर हो गए हैं.

एजेंसी

नई दिल्लीः दिल्ली के जंगपुरा ईलाके में स्थित मद्रासी कैम्प में जिस तरह अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई, वहां से बेघर हुए लोगों को आश्रय उपलब्ध कराने के लिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा है. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि एक जून को जंगपुरा के मद्रासी कैंप के ध्वस्त होने से 370 तमिल मूल के परिवार, जो दशकों से दिल्ली की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, बेघर और बेसहारा हो गए हैं.हाईकोर्ट ने दिया था आवश्यक सेवाएं पूरी करने का निदेर्शः उन्होंने पत्र में लिखा है कि दिल्ली हाईकोर्ट के आदेशानुसार, एक संयुक्त सर्वेक्षण ने 189 परिवारों को एहर फ्लैटों के लिए पात्र माना है. हाईकोर्ट ने सरकारी एजेंसियों को नरेला के पॉकेट ऋ-7 और ऋ-8 में पानी, बिजली, सफाई, आंतरिक सड़कें, जल निकासी और स्ट्रीट लाइटिंग जैसी सभी आवश्यक सेवाएं पूरी करने का निर्देश दिया था, जहां वैकल्पिक आवास प्रदान किए गए हैं.

बेहद चिंतित हैं, दोनों पक्षों से तनाव वाले कदमों से बचने का आग्रह किया

इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान की राजधानी पर हमला कर दिया और देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है।

ईरान-इजराइल टकराव पर भारत बोला

एजेंसी

इजराइल ने शुक्रवार सुबह ईरान की राजधानी पर हमला कर दिया और देश के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया जिसके बाद पश्चिम एशिया के दो कट्टर विरोधियों के बीच एक व्यापक युद्ध की आशंका तेज हो गई है। इसे 1980 के दशक में इराक के साथ युद्ध के बाद ईरान पर सबसे बड़ा हमला माना जा रहा है। इजराइल ने ईरान के मुख्य परमाणु संवर्धन केंद्र को भी निशाना बनाया और हमले के बाद वहां से काला धुआं हवा में उठता देखा गया। इजराइल के हमले में ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के

प्रमुख जनरल हुसैन सलामी की मौत हो गई। देश के सरकारी टेलीविजन ने अपनी खबर में यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि इन हमलों में शीर्ष सैन्य अधिकारी और वैज्ञानिक भी मारे गए हैं। यह हमला ईरान के तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। भारत ने शुक्रवार को कहा कि वह ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों को लेकर बहुत चिंतित है और उभरते हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। नयी दिल्ली ने दोनों देशों से किसी भी तरह के तनाव बढ़ाने वाले कदमों से बचने का आग्रह किया है।

इजराइल ने ईरान में परमाणु संवर्धन केंद्रों समेत कई जगहों पर हमले किए

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतने, सुरक्षित रहने और स्थानीय सुरक्षा परामर्श का पालन करने की सलाह दी गई है।

ईरान और इजराइल के बीच तनाव बढ़ने के बीच विदेश मंत्रालय ने यह बयान जारी किया। खबरों के अनुसार, इजराइल ने ईरान में परमाणु संवर्धन केंद्रों समेत कई जगहों पर हमले किए हैं। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने भी इसकी पुष्टि की है। विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, हम ईरान और इजराइल के बीच हाल के घटनाक्रमों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हैं।